RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:194 ता. 29 जनवरी 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठः 8 कीमतः 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बदहाल पाकिस्तान पर अब रहस्यमय बीमारी का साया, अब तक 18 लोगों की मौत; अधिकांश बच्चे

कराची। पाकिस्तान में कराची के केमारी इलाके में एक रहस्यमय बीमारी से 14 बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान के इस दक्षिणी बंदरगाह शहर में स्वास्थ्य अधिकारी अभी भी मौत के कारणों का पता नहीं लगा पाए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक अब्दुल हमीद जुमानी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की कि केमारी के मावाच गोथ इलाके में 10 से 25 जनवरी के बीच रहस्यमयी बीमारी से 14 बच्चों सहित 18 लोगों की मौत हो गई। अब्दुल हमीद जुमानी ने कहा, इन मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए एक स्वास्थ्य टीम अभी काम कर रही है, लेकिन हमें संदेह है कि यह समुद्र या पानी से संबंधित हो सकता है क्योंकि गोथ (गांव) जहां ये मौतें हुई हैं, वह तटीय क्षेत्र के बेहद करीब है। मावाच गोथ एक झुग्गी बस्ती क्षेत्र है जहां के लोग ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर या मछुआरे हैं। जुमानी ने कहा कि मृतकों के परिजनों ने पुष्टि की थी कि मरने से पहले उनके परिजनों को तेज बुखार, गले में सूजन और सांस लेने में तकलीफ हुई थी। अधिकारी ने कहा, कुछ लोगों ने यह भी शिकायत की है कि पिछले दो हफ्तों में क्षेत्र में एक अजीब सी गंध आ रही है। केमारी के उपायुक्त मुख्तार अली अब्रो ने कहा कि उन्होंने इस सिलसिले में एक फैक्टरी मालिक को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि हमने राज्य की पर्यावरणीय एजेंसी को बुलाया था जिसने इस क्षेत्र में संचालित तीन फैक्टरी से नमूने एकत्र किए। सिंध केंद्र (रासायनिक विज्ञान) के प्रमुख इकबाल चौधरी ने कहा कि उन्होंने फैक्टरियों से सोयाबीन के कुछ नमूने एक्तर किए हैं और उन्हें लगता है कि मौत का कारण सोया एलर्जी भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि हवा में सोयाबीन के धूल के कण भी गंभीर बीमारियों और मौतों का कारण बन सकते हैं और वायु प्रदूषण और मौसम एक बड़ी भूमिका निभाते हैं।

'गुजरात दंगों पर बहस का फायदा नहीं', बीबीसी डॉक्यूमेंट्री विवाद पर बोले शशि थरूर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के विवाद पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शनिवार को चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी भी देश के लोगों से 2002 के गुजरात दंगों से आगे बढ़ने के लिए नहीं कहा। थरूर ने कहा कि गुजरात दंगों के घाव अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर बहस करने से फायदा नहीं होगा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में पहले ही अपना आदेश सुना चुका है। इसके बजाय हमे इससे बड़े समकालीन मामलों पर बात करने की जरूरत है। एक ऑनलाइन समाचार पोर्टल से बात करते हुए पहले तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने कहा था कि भारत ÷इस त्रासदी से आगे बढ़ गया है÷ और लोगों को इस मामले से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा था कि इस घटना को दो दशक बीत चुके हैं और सर्वोच्च

न्यायालय ने भी अपना फैसला सुना दिया है। हालांकि, कांग्रेस नेता ने कहा कि वह ÷उन लोगों पर आक्षेप नहीं लगा रहे हैं जो मानते हैं कि आधिकारिक जांच से पूरी सच्चाई सामने नहीं आई है।

थरूर की टिप्पणियों ने कुछ वर्गों में नाराजगी पैदा कर दी है क्योंकि उन्होंने औपनिवेशिक शासन के लिए अंग्रेजों से उनकी क्षतिपूर्ति मांगों को उजागर किया। अशोक सिंह गरचा नाम के एक ट्विटर यूजर ने कहा, शशि थरूर ने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए ब्रिटिश सरकार से माफी की मांग की। जबकि, कल उन्होंने भारतीयों से 2002 के गुजरात नरसंहार से आगे बढ़ने के लिए कहा!÷ इस पर थरूर ने जवाब दिया, मैंने ऐसा नहीं कहा।

थरूर ने कहा, मैंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि मेरा मानना है कि गुजरात के घाव पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं, लेकिन यह देखते हुए कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अंतिम निर्णय सुना दिया है, हमें इस मुद्दे पर बहस करने से बहुत कम लाभ होगा।

आगे कहा, मैं स्वीकार करता हूं कि अन्य लोग मेरे विचार से असहमत हो सकते हैं, लेकिन सांप्रदायिक मुद्दों पर मेरे विचार चार दशक के रिकॉर्ड और गुजरात दंगा पीड़ितों के लिए खड़े होने के दो दशकों के रिकॉर्ड को विकृत करना है। यह अपनों के लिए दुर्भावनापू है।

गौरतलब है कि इंडिया द मोदी क्वेश्चन शीर्षक वाली बीबीसी डॉक्यूमेंट्री प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निभाई गई भूमिका की आलोचना पर आधारित है। उस वक्त मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, जब सांप्रदायिक हिंसा ने 1,000 से अधिक लोगों को मार डाला। इसमें ज्यादातर मुस्लिम थे। दो भाग वाली इस डॉक्यूमेंट्री के प्रसारण पर भारत में रोक है। केंद्र सरकार ने पिछले हफ्ते इसे ब्लॉक कर दिया है।

● थरूर ने कहा कि गुजरात दंगों के घाव अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर बहस करने से फायदा नहीं होगा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में पहले ही अपना आदेश सुना चुका है।

दिल्ली में कार ने स्कूटी सवार को 350 मीटर घसीटा

नई दिल्ली। दिल्ली में हिंट एंड रन का मामला सामने आया है। गुरुवार-शुक्रवार की रात एक कार ने स्कूटी को टक्कर मारी। जिससे स्कूटी सवार 2 लोगों में से एक सड़क पर गिर गया। वहीं, दूसरे का सिर कार की विंडशील्ड और बोनट के बीच फंस गया। इसके बाद कार सवार उस शख्स को लेकर 350 मीटर तक घसीटते रहे। हादसे में दोनों स्कूटी सवारों की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में कार सवार 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

DCP उत्तर पश्चिम उषा रंगनानी ने बताया कि दिल्ली में केशव पुरम इलाके में रात करीब 3 बजे एक कार ने स्कूटी को टक्कर मारी। इस हादसे में स्कूटी पर सवार 2 लोगों में से पीछे बैठा शख्स सुमित खारी के बोनट से टकराकर सड़क पर जा गिरा। वहीं, स्कूटी चलाने वाले कैलाश भटनागर का सिर विंडशील्ड और बोनट के बीच फंस गया और स्कूटी कार के बम्पर में फंस गई। हादसे के बाद कार सवार आरोपी स्कूटी और कार में फंसे शख्स को लेकर 350 मीटर तक घसीटते रहे।

पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया–पुलिस ने बताया कि इलाके में पेट्रोलिंग कर रही PCR वैन ने जब कार को देखा तो उसका पीछा किया। PCR ने कुछ ही सेकंड में आरोपियों की कार को रोक लिया। इस पर कार में सवार 5 आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने 2 आरोपियों प्रवीण और दिव्यांश को गिरफ्तार कर लिया, जबकि 3 भागने में सफल रहे। बाद में पुलिस ने छापेमारी कर तीनों आरोपियों हर्ष मुदगल, ओम भारद्वाज और देवांश को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस हादसे में घायल हुए दोनों स्कूटी सवारों को अस्पताल लेकर पहुंची। यहां डॉक्टरों ने कैलाश को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुमित की हालत गंभीर थी। शनिवार सुबह 9 बजे उसकी भी मौत हो गई।

पुलवामा के चुरसू से भारत जोड़ो यात्रा शुरू, महबूबा मुफ्ती भी शामिल

श्रीनगर। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा आज सुबह पुलवामा जिले में अवंतीपोरा के चुरसू से शुरू हुई। यात्रा में PDP चीफ महबूबा मुफ्ती हजारों महिलाओं के साथ शामिल हैं। प्रियंका गांधी के भी पहुंचने की उम्मीद है। शुक्रवार को सुरक्षा में सेंध लगने के बाद राहुल गांधी ने यात्रा रोक दी थी। कांग्रेस ने सुरक्षा में चूक के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया था। शनिवार को पंपोर के बिड़ला इंटरनेशनल स्कूल के पास यात्रा का टी ब्रेक होगा। श्रीनगर के बाहरी इलाके स्थित पंठा चौक के ट्रक यार्ड में शनिवार रात विश्राम होगा। 29 जनवरी को पंठा चौक से यात्रा बोलेवर्ड रोड स्थित नेहरू पार्क तक जाएगी।

कल राहुल के सुरक्षा घेरे में घुस गए थे लोग–शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के काजीगुंड में एंट्री के सिर्फ एक किलोमीटर बाद ही राहुल गांधी की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई थी। यहां राहुल के सुरक्षा घेरे में कई लोग घुस आए थे। इसके बाद पुलिस राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला को गाड़ी में बैठाकर अनंतनाग ले गई थी। अनंतनाग में राहुल ने प्रेस

कॉन्फ्रेंस में कहा था- यात्रा के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई। टनल से निकलने के बाद पुलिसकर्मी नहीं दिखे। मेरे सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि हम और नहीं चल सकते। मुझे अपनी यात्रा रोकनी पड़ी। बाकी लोग यात्रा कर रहे थे।

केसी वेणुगोपाल ने कहा था- 15 मिनट से कोई सुरक्षा अधिकारी नहीं है

राहुल गांधी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर निशाना साधा। वेणुगोपाल ने सुरक्षा में सेंध के लिए पुलिस अधिकारियों और छ्त्रक्क्त के जवानों को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने कहा था कि पिछले 15 मिनट से यात्रा के साथ कोई भी सुरक्षा अधिकारी नहीं थे, ये गंभीर चूक है। राहुल और अन्य कार्यकर्ता बिना सुरक्षा के यात्रा में आगे नहीं बढ़ सकते हैं। भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। इसने गुरुवार रात को पंजाब से जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। 30 जनवरी को राहुल गांधी श्रीनगर के कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके साथ ही यात्रा समाप्त हो जाएगी। इस दिन रैली में समान विचारधारा वाली पार्टियों के नेता और प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।

पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर फिर से विचार करेगा भारत, मोदी सरकार ने दिए संकेत

नई दिल्ली। जम्मू के उरी में भारतीय सेना के बेस पर आतंकियों के हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौते पर भारत ने अपना रुख साफ कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक समझौते की समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले अधिकारियों से कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते। अब मोदी सरकार ने फिर से सिंधु जल समझौते पर विचार करने के संकेत दिए हैं।

पीएम मोदी ने रखी इन प्रोजेक्ट्स की आधारशिला–आतंकी हमले के दो साल से भी कम समय में मई 2018 में प्रधानमंत्री ने बांदीपोर में 330 मेगावाट (मेगावाट) किशनगंगा पनबिजली परियोजना का उद्घाटन किया और जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 1,000 मेगावाट के पाकल-दुल संयंत्र की आधारशिला रखी। 1,856 मेगावाट वाले सावलकोट और 800 मेगावाट वाले बरसर के प्रोजेक्ट को पीएम की अध्यक्षता वाली बैठक के बाद गति दी गई। चिनाब की दो सहायक नदियों - किशनगंगा और मरुसुदर पर स्थित प्रोजेक्ट्स में भारत की ओर से तैयारी पाकिस्तान की आतंकी साजिशों के खिलाफ एक जवाब था। पाकिस्तान पर कार्रवाई करते हुए भारत ने 1960 की संधि के प्रावधानों पर कड़ा रुख दिखाया और समझौते के अंदर रहते हुए सिंधु की सहायक नदियों के जल बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है, इसका नमूमा पेश किया। एक दशक से लटके पकल-दुल प्रोजेक्ट में तेजी लाकर पाकिस्तान के खिलाफ अपने इरादे को मोदी सरकार ने साफ कर दिया। इन प्रोजेक्ट्स को गति देकर मोदी सरकार ने संकेत दिया की समझौते के दायरे में भारत के पानी का बेहतर उपयोग किया जा सके। इसमें सिंधु की पश्चिमी सहायक नदियों जैसे चिनाब और झेलम के साथ-साथ उनकी सहायक जल धाराओं पर बनी जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण शामिल है।

दिल्ली समेत उत्तर भारत में चलेंगी सर्द हवाएं, इन इलाकों में होगी बारिश

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) की वजह से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। उत्तर भारत में कई इलाकों बादल छाए रहेंगे, वहीं कई इलाकों में हल्की बारिश के आसार हैं। अगले दो दिनों तक उत्तर भारतीय राज्यों में बारिश की संभावना बनी हुई है। हल्की बारिश की वजह मौसम भी सर्द हो गया है। 27 जनवरी को राजधानी दिल्ली में न्यूनतम 9 और अधिकतम 21 डिग्री दर्ज

किया गया, जो इस महीने का सबसे अधिक तापमान बताया जा रहा है।

उत्तर-पश्चिमी भारत के राज्यों का हाल–वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव में उत्तर-पश्चिम राज्यों में बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। 29-30 जनवरी के बीच पश्चिम हिमालयी राज्यों - पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में बारिश होने की संभावना है। 28 और 29 जनवरी को राजस्थान में और 29 जनवरी को दिल्ली में भी इसी तरह की मौसम की स्थिति रहने वाली है। वहीं, दिल्ली में आज भी तेज हवाएं चलेंगी और साथ ही धूप निकलने की भी संभावना है।

उत्तर प्रदेश में होगी हल्की बारिश–उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में भी बारिश होने की उम्मीद है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई शहरों में हल्की बारिश और बादल छाए रहने की उम्मीद की जा रही है। इस कारण इन इलाकों के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

पहाड़ी राज्यों में बनी रहेगी कोहरे जैसी स्थिति

उत्तर पश्चिमी राज्य पंजाब और हरियाणा के अलग-अलग हिस्सों में शीतलहर की स्थिति जस की तस बनी रहेगी। वहीं अगले 24 घंटों के दौरान पहाड़ी राज्यों - हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग इलाकों में सुबह और रात के समय लोगों को घने कोहरे छाए रहने की संभावना है।

कौन हैं जया किशोरी, जिनका बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ जोड़ा जा रहा नाम

छतरपुर। पिछले कुछ दिनों से खबरों में चल रहे बागेश्वर वाले बाबा धीरेंद्र शास्त्री के साथ एक और नाम की भी चर्चा हो रही है। वो नाम है जया किशोरी का। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री का नाम इनके साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि इस मामले में बाबा ने जया किशोरी का नाम अपने साथ जोड़ने से साफ मना किया है। एक इंटरव्यू के दौरान बाबा से पूछा गया कि क्या वो जया किशोरी से शादी कर रहे हैं इसका जवाब देते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनकी जया किशोरी से कभी मुलाकात नहीं हुई है। वो जया किशोरी को अपनी बहन की तरह देखते हैं। बागेश्वर वाले बाबा के साथ इनका नाम जुड़ने के बाद लोगों में एक उत्सुकता हो रही है कि आखिर कौन हैं ये जया किशोरी? तो आइये जानते हैं जया किशोरी के बारे में...

कौन हैं जया किशोरी?

जया किशोरी का जन्म 1996 में हुआ था। वो कोलकाता की रहने वाली हैं। जया किशोरी भजन गायिका और कथावाचिका भी हैं। इसके साथ ही वो मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं और लाइफ से जुड़े मुद्दों पर भी स्पीच देती हैं। उनका नाम जया शर्मा है लेकिन वो जया किशोरी के नाम से ही मशहूर हैं। इनके पिता का नाम शिवशंकर शर्मा है जबकि माता का नाम सोनिया शर्मा है। सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोवर्स हैं। इनके इंस्टाग्राम पर 47 लाख से ज्याद फॉलोवर्स हैं।

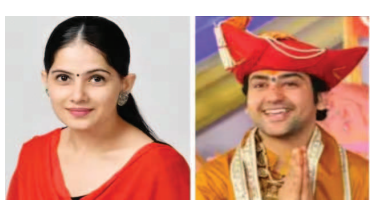

यूट्यूब पर इनके मोटिवेशनल वीडियोज भी खूब पसंद किए जाते हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके वीडियोज पर लाखों व्यूज आते हैं। यूट्यूब पर जया किशोरी के 19 लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हैं।

क्या है जया किशोरी शर्मा की शादी की शर्त?

जया किशोरी शर्मा की शादी को लेकर उनके फॉलोवर्स में बहुत उत्सुकता रहती है। हर कोई जानना चाहता है कि जया किशोरी कहां शादी करेंगी और किससे करेंगी। बागेश्वर वाले बाबा के साथ नाम जुड़ने के बाद एक बार फिर लोगों की दिलचस्पी इस बात में बढ़ गई है। ऐसे ही एक वीडियो में जया किशोरी अपनी शादी के बारे में बात करते हुए कहती हैं कि क्योंकि वो कोलकाता की रहने वाली हैं इसलिए कोई कोलकाता का लड़का मिल जाएगा तो अच्छा रहेगा। शादी की अपनी शर्त पर उन्होंने कहा कि अगर मेरी शादी कोलकाता से बाहर होती है तो मैं शादी इस शर्त पर ही करूंगी की मेरे माता-पिता मेरे साथ रहेंगे।

बागेश्वर वाले बाबा ने क्या कहा?

जया किशोरी के साथ अपनी शादी की अटकलों को बागेश्वर वाले बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सिरे से खारिज कर दिया है। बाबा ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि जया किशोरी से उनकी कभी मुलाकात नहीं हुई है और वो उन्हें बहन की दृष्टि से देखते हैं। अपनी शादी के बारे में बात करते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनके गुरुजी से अनुमति मिल गई है अब माता-पिता जहां चाहेंगे शादी कर देंगे। इसी के साथ ही जया किशोरी शर्मा के साथ उनका शादी की अटकलों को विराम लग गया।

बिहार में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी नक्सलियों द्वारा छुपकर रखे गए 149 केन बम तथा 13 प्रेशर आइइडी बरामदे

औरंगाबाद । बिहार में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शनिवार को सुरक्षाबलों के साथ मिलकर पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है । इसके तहत सर्च अभियान भी चलाकर नक्सलियों को गिरफ्तार भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में औरंगाबाद में पुलिस ने तबाही का जखीरा बरामद किया है। सुरक्षाबलों ने 149 केन बम तथा 13 प्रेशर आइइडी बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के मुतबिक औरंगाबाद के मदनपुर थाना क्षेत्र के पचरुखीया तथा आसपास के जंगलों में सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस की टीम द्वारा सघन छापेमारी अभियान चलाया जिसमें ये कामयाबी मिली। पहाड़ की एक गुफा में छिपा कर रखे गए आईईडी को बरामद किया है। एएसपी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि भारी मात्रा में आईईडी और विस्फोटक बरामद किया है इस बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही डिफ्यूज किया है। एएसपी अभियान ने आईईडी बरामदगी की संख्या की पुष्टि नहीं की है लेकिन उनके द्वारा अच्छी उपलब्धि के संकेत जरूर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभी छापेमारी जारी है और विस्तृत जानकारी सुरक्षा बलों के ऑपरेशन से लौटने के बाद ही प्राप्त हो सकेगी। गौरतलब है कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों पर हमले की योजना बनाई थी लेकिन सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के उस नापाक मंसूबे को भी नाकाम कर भारी मात्रा में नक्सलियों के द्वारा छुपाकर रखे गए आग्नेयास्त्र एवं गोलियां भी बरामद की गई थी। उस वक्त भी सुरक्षा बलों ने दो आईईडी बरामद कर उन्हें जंगलों में ही डिफ्यूज किया था। अभी औरंगाबाद के देव में पर्यटन विभाग तथा जिला प्रशासन के सौजन्य से तीन दिवसीय सूर्य महोत्सव का आयोजन आज से ही प्रारम्भ होना है।

मांझी ने तेजस्वी से की शराबबंदी कानून वापस लेने की मांग

गया । बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी शराबबंदी कानून को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। इस बीच उन्होंने अब उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के सामने शराबबंदी कानून वापस लेने की मांग की और मामले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को समझाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि अति सर्वत्र वर्जयेत बोधगया में आयोजित बौद्ध महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और जीतन राम मांझी पहुंचे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव से उपरोक्त मांग कर दी। उन्होंने बिहार में शराब फिर से चालू करने की वकालत करते हुए अपने मगही अंदाज में कहा कि तेजस्वी बाबू बिहार में फेर से शराब चालू करवा देहू एकरा बारे में मुख्यमंत्री जी से भी बात करहु। (शराब को फिर से चालू कराने के लिए मुख्यमंत्री से बात कीजिए)। सत्तारूढ़ महागठबंधन में शामिल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख मांझी ने तेजस्वी से यह भी कहा कि अगर आप चाहिएगा तो मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा कि अति सर्वत्र वर्जयेत ज्यादा नींबू मारने से तीखा हो जाता है। उन्होंने कहा कि बिहार में घूमने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आ रहे हैं लेकिन वो घूमने के बाद यहां रुक नहीं रहे हैं। वे आस-पास के राज्यों में रुकते हैं क्योंकि बिहार में शराबबंदी है। उन्होंने कहा कि जब वे बिहार में रुकेंगे ही नहीं तो बिहार में विदेशी मुद्रा से राजस्व कैसे बढ़ेगा? उन्होंने कहा कि शराबबंदी के कारण पर्यटकों की संख्या घट गई है इसलिए आप (तेजस्वी) मुख्यमंत्री से शराबबंदी वापस लेने की बात करें। इससे बिहार घूमने आए हुए पर्यटक बिहार में ही रुकेंगे और बिहार की आय भी बढ़ेगी।

कश्मीर में राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक के लिए एलजी सिन्हा जिम्मेदार : चौधरी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत जोड़ो यात्रा के अंतिम चरण के दौरान कश्मीर में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सुरक्षा में गंभीर चूक हुई है। कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी ने इसके लिए जम्मू-कश्मीर के गवर्नर मनोज सिन्हा को जिम्मेदार ठहराया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली हो या जम्मू -कश्मीर सुरक्षा चूक को लेकर दोनों केंद्रशासित प्रदेश के एलजी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा श्रीनगर में बैठे सिन्हा को जवाब देना होगा कि राहुल के मार्च के लिए कौन जिम्मेदार था। बता दें कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को कश्मीर में प्रवेश करते ही सुरक्षा चूक के कारण रोक दी गई थी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि पदयात्रा के डी-एरिया से सुरक्षाकर्मियों को अचानक हटा दिया गया। वेणुगोपाल ने ट्विटर पर लिखा डी-एरिया से सुरक्षाकर्मियों की अचानक हटाने से कश्मीर के बनिहाल में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एक गंभीर सुरक्षा उल्लंघन हुआ है। किसने यह आदेश दिया? जिम्मेदार अधिकारियों को इस चूक के लिए जवाब देना चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। वेणुगोपाल ने बताया कि 15 मिनट तक भारत जोड़ो यात्रा के साथ कोई सुरक्षाकर्मी नहीं था। उन्होंने इस गंभीर चूक करार दिया।

भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच अभी और अधिक सैन्य झड़पें होगी

-लद्दाख पुलिस की ओर से तैयार रिपोर्ट में कहा गया

नई दिल्ली । भारत और चीनी सेना के बीच अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख तक तनाव है। दोनों देशों में तनातनी के बीच एक रिपोर्ट में आशंका जाहिर की गई है कि भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच और अधिक झड़पें हो सकती हैं। 20 से 22 जनवरी तक चले इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के सम्मेलन में पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस इलाके में बीजिंग ने अपने सैन्य बुनियादी ढांचे को और बढ़ा दिया है। लद्दाख पुलिस की ओर से तैयार की गई सिक्योरिटी इश्युज पर्टेनिंग टू अनफेंरड लैंड बॉर्डर शीर्षक से रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट में दोनों देशों की सेना के बीच झड़प की घटनाएं बढ़ने की आशंका जाहिर की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीमावर्ती इलाकों में स्थानीय पुलिस की ओर से जुटाई गई खुफिया जानकारी और भारत-चीन सीमा पर तनाव के पैटर्न को देखते हुए ये आकलन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक लद्दाख में दोनों देशों के सैनिकों के बीच आने वाले समय में कई और झड़पें होंगी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मजबूरियों और इलाके में आर्थिक हितों को देखते हुए चीनी सेना सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण जारी रखेगी और दोनों देशों के बीच झड़पें भी होती रहेंगी। ये भी कहा गया है कि चीनी सेना की ओर से अपनी तरफ बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किए जाने के बाद दोनों देशों की सेना एक-दूसरे के रिएक्शन आर्टिलरी ताकत और इफैंट्री की टेस्टिंग कर रही हैं। लद्दाख पुलिस की रिपोर्ट में कहा गया हैं कि साल 2013-14 के बाद से हर दो-तीन साल के बाद इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। गौरतलब है कि ये रिपोर्ट उस समय में सामने आई है जब ये खुलासा हुआ था कि कुल 65 पैट्रोलिंग पॉइंट में से 26 पर भारतीय सेना की मौजूदगी समाप्त हुई है। पूर्वी लद्दाख के काराकोरम से चुमूर तक भारतीय सेना की कोई गश्त नहीं है।

केसीआर ने भेजा न्यौता नीतिश नहीं ललन सिंह होंगे कार्यक्रम शामिल

पटना । लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर मोर्चेबंदी में जुटे तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर के कार्यक्रम में बिहार के सीएम नीतीश कुमार शामिल नहीं होने वाले हैं। हैदराबाद में 17 फरवरी को तेलंगाना के नए सचिवालय का उद्घाटन होना है इसमें केसीआर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को आमंत्रित किया। हालांकि सीएम नीतीश इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होने वाले हैं। उनकी जगह जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह हैदराबाद जाएंगे और तेजस्वी भी केसीआर की रैली में शामिल होने वाले हैं। 17 फरवरी को हैदराबाद में नए सचिवालय का उद्घाटन होगा है। इसके बाद सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में बड़ी रैली का आयोजन होगा। तेलंगाना मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा किए गए ट्वीट में इसकी जानकारी दी गई है। केसीआर के इस कार्यक्रम को 2024 चुनाव की मोर्चेबंदी के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम में जेडीयू-आरजेडी नेताओं के अलावा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन और डॉ. भीमराव अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर को भी न्यौता दिया गया है। केसीआर ने 18 जनवरी को तेलंगाना के खम्मम में बड़ी रैली की थी। इसमें अरविंद केजरीवाल अखिलेश यादव पिनरई विजयन भगवंत मान सरीखे विपक्षी दलों के नेताओं को बुलाया गया था। हालांकि इसमें नीतीश कुमार को न्यौता नहीं मिलने से राजनीतिक गलियारे में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया था।

2047 तक देश को हर क्षेत्र में अव्वल बनाने में सहयोग करे युवा वर्ग : अमित शाह

बेंगलुरू (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़कर योगदान देने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि जब देश 2047 में अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष मनाए तो हर क्षेत्र में अव्वल हो। शाह ने युवाओं से अपने व्यक्तिगत जीवन में प्रगति के लिए संकल्प लेने और आजादी के इस 75वें वर्ष में किसी न किसी क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का भी आह्वान किया।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा 2047 में जब हम आजादी का शताब्दी वर्ष मनाएं तो हमारा यह महान देश हर क्षेत्र में अव्वल होना चाहिए। ऐसे राष्ट्र के निर्माण के लिए आप नौजवानों को प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी की अपील पर जरूर साथ आना चाहिए। आपको महान भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। बीवी भूमराड्डी कॉलेज के प्लेटिनम जयंती समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने विभिन्न क्षेत्रों में देश द्वारा की गई प्रगति और कई क्षेत्रों में विकास के लिए सरकार द्वारा रखी गई मजबूत नींव का जिक्र किया। उन्होंने परिसर में एक इनडोर स्टेडियम का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में कॉलेज के पूर्व छात्र एवं कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा कई मंत्री और विधायक उपस्थित थे। शाह ने विद्यार्थियों और युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम और देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले लोगों के बारे में पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा हर कोई भाग्यशाली नहीं होता कि वह हमारे सैनिकों की तरह देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर सके। हम देश के लिए अपने प्राणों की आहुति नहीं दे सकते लेकिन हम इस देश के लिए जीवन जी सकते हैं। गृह मंत्री ने कहा व्यक्ति को अपने व्यवसाय या पसंद के क्षेत्र में ऊंचाई हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए लेकिन साथ ही हमारा लक्ष्य यह भी होना चाहिए कि भारत पूरी दुनिया में अव्वल बने।

शाह ने कहा कि आठ साल में भारत की अर्थव्यवस्था 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। उन्होंने कहा कि यह अनुमान जताया जा रहा है कि 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। गृह मंत्री ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात को ध्यान में रखते हुए भारत के युवाओं के लिए एक सपना देखा है कि भारत पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाए। अगर ऐसा होता है तो

आप जैसे तकनीकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के पास बहुत सारे अवसर होंगे। उन्होंने स्टार्ट-अप क्षेत्र में भारत की प्रगति के बारे में भी बताया।

दिल्ली का भाजपा के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली बीजेपी की कार्यकारिणी की बैठक का शनिवार को दूसरा दिन है। इस मौके पर बैठक में पहुंचे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कार्यकारिणी सदस्यों को संबोधित किया। अपने संबोधन में अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली का भाजपा के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है। जनसंघकाल से दिल्ली ने देशभर में भाजपा के प्रचार-प्रसार में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली लालकृष्ण अडवानी के प्रारम्भिक कार्य भूमि रही तो केदारनाथ साहनी मदन लाल खुराना एवं प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा ने दिल्ली के साथ पूरे उत्तर भारत में पार्टी विस्तार का काम किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली ने देश को अरुण जेटली जैसा ओजवान नेता दिया तो दिल्ली से ही साहिब सिंह वर्मा हंसराज गुप्ता मांगे राम गर्ग कालका दास जैसे नेता दिए जिन्होंने पार्टी को नये सामाजिक वर्गों से जोड़ा। दिल्ली में न कार्यकर्ताओं की कमी है न नेतृत्व का आभाव बस दिल्ली के कार्यकर्ताओं को एक नया संकल्प लेना है और 2025 विधानसभा चुनाव में दिल्ली एवं देश से भ्रष्ट एवं आराजक अरविंद केजरीवाल सरकार का

अंत करना है।

केजरीवाल सरकार पर टिप्पणी करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम चुनाव मे मैंने स्वयं दिल्ली मे कई क्षेत्रों मे प्रचार किया था और देखा कि लोगों पर अब केजरीवाल सरकार का जादू कम हुआ है। यह चुनाव नतीजों में भी यह दिखा जहां आम आदमी पार्टी को बहुत नगण्य बहुमत मिला है। हमारा नया संकल्प और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार द्वारा दिल्ली में कराए जा रहे विकास कार्य को जनता के बीच ले जाना है। पहले 2024 फिर 2025 में जीत हमारी होगी। अनुराग ठाकुर ने केंद्र सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास कार्य को बताते हुए कहा कि दिल्ली में यूं तो मोदी सरकार ने 8 साल में सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर प्रदूषण से लड़ने तक के लिए 1 लाख करोड़ से अधिक के विकास प्रोजेक्ट दिए हैं पर आज केन्द्र सरकार के मार्गदर्शन में डीडीए एवं उपराज्यपाल के माध्यम से जो यमुना रिवर फ्रंट विकास करवाया जा रहा है उसको जनता के सामने रखिए। नजफगढ़ ड्रेन पर भी उपराज्यपाल जो काम कर रहे हैं उससे वह अब टूरिस्ट आकर्षण स्थल बन रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को बताएं कि केजरीवाल सरकार ने 8 वर्ष तक यमुना को और मैला किया। अब मोदी सरकार दिल्ली में यमुना फ्रंट विकसित करवा रही है। अंत में अनुराग ठाकुर ने कहा कि वायु प्रदूषण से लड़ते हुऐ केन्द्र सरकार ने दिल्ली को एफएएमई योजना के अंतर्गत 150 इलेक्ट्रिक बसें दी हैं। कोविडकाल से सरकार दिल्ली के 60 लाख से अधिक गरीबों के लिए प्रवासियों के लिए फ्री राशन दे रही है। पर खेद है कि दिल्ली सरकार इस फ्री राशन तक को गरीबों को नहीं दे रही। आइये हम आज दिल्ली और देश से अरविंद केजरीवाल को उखाड़ फेंकने का नया संकल्प लें।

योगी आदित्यनाथ ने सनातन धर्म को बताया राष्ट्रीय धर्म, खड़ा हो गया नया राजनीतिक बवाले

नयी दिल्ली । आजकल राजनीतिज्ञ लोग धर्म पर बयान दे रहे हैं और धार्मिक लोग राजनीति पर बयान दे रहे हैं। धर्म और राजनीति के इस घालमेल ने बड़ी राजनीतिक महाभारत भी खड़ी कर दी है। इधर हाल ही में भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने और श्रीरामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करने की बढ़ती हुई मांग के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि हमारा सनातन धर्म ही भारत का राष्ट्रीय धर्म है। उनके इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है क्योंकि कांग्रेस ने पूछा है कि यदि सनातन धर्म ही राष्ट्रीय धर्म है तो फिर बाकी धर्मों की क्या स्थिति है? हम आपको बता दें कि शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजस्थान के जालौर में एक कार्यक्रम को संबोधित करने पहुँचे थे। वहां उन्होंने अयोध्या में बन रहे भव्य श्रीराम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी काल खंड में यदि हमारे धार्मिक स्थलों को अपवित्र किया गया है, तो उनके पुर्नस्थापना के लिए अभियान चलना चाहिए।

शरद पवार ने की बीबीसी डाक्यूमेंट्री बैन करने की आलोचना कहा यह लोकतंत्र पर हमला

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आधारित एक डॉक्यूमेंटरी 'द मोदी क्वेश्चन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लोकतंत्र पर हमला है। शरद पवार ने मुंबई के एक होटल में शनिवार सुबह आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बीबीसी मीडिया समूह द्वारा बनायी गयी डॉक्यूमेंटरी पर प्रतिबंध लगाना पूरी तरह से अलोकतांत्रिक फैसला है। उन्होंने कहा कि लोग धार्मिक मुद्दों पर अपना वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि लोगों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का समर्थन किया और जगह-जगह उसमें शामिल भी हुए लेकिन केंद्र सरकार ने गांधी की अलग छवि पेश करने की कोशिश की।

राहुल गांधी को आम लोगों से बड़े पैमाने पर समर्थन मिलने के कारण सरकार अपने प्रयास में पूरी तरह विफल रही। राज्य के राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के प्रस्तावित इस्तीफे की चर्चा पर पवार ने कहा कि यह अच्छी बात है कि छत्रपति शिवाजी महाराज और अन्य महापुरुषों पर कई विवादास्पद बयानबाजी करने वाले व्यक्ति से राज्य के लोगों को मुक्त किया जा रहा है। पवार ने कहा एक सर्वेक्षण में यह संकेत दिया गया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आने वाले विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता में नहीं आएगी और इस आधार पर हम सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन अभी तक इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। हर राज्य में अलग-अलग मुद्दे हैं और इसे सुलझाना जरूरी है।

उन्होंने कहा दिल्ली से विभिन्न विपक्षी दलों के बीच समन्वय को लेकर चर्चा शुरू होगी। पवार ने वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के नेता प्रकाश अंबेडकर के इस बयान का खंडन किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सच है कि श्री मोदी केंद्रीय जांच प्रणाली का दुरुपयोग कर रहे हैं। शिवसेना (ठाकरे) और वीबीए के बीच गठबंधन पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए पवार ने कहा हमने अब तक वीबीए के साथ चर्चा नहीं की है। एमवीए के रूप में हम आने वाले चुनाव का एकजुट होकर सामना करेंगे और हम उद्धव ठाकरे के साथ हैं।

कांग्रेस को 2024 में भाजपा को हराने के लिए विपक्षी गठबंधन का आधार बनना होगा : जयराम रमेश

अवंतीपुरा (जम्मू कश्मीर) (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस को 2024 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए किसी भी विपक्षी गठबंधन का 'आधार' बनना होगा, क्योंकि कांग्रेस ही ऐसी एकमात्र राजनीतिक पार्टी है, जिसकी पूरे देश में मौजूदगी है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने यह भी कहा कि उनके विचार से कांग्रेस को 2029 के आम चुनाव में हर राज्य में अपने दम पर लड़ने की तैयारी करनी चाहिए। रमेश ने एक साक्षात्कार में कहा कि वह निश्चित रूप से इस साल गुजरात के पोरबंदर से अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड तक एक और यात्रा निकालने पर जोर देंगे, लेकिन इस पर फैसला अंततः

पार्टी को करना है। रमेश ने कहा, ''मैं निश्चित रूप से इसके बारे में सोचता रहा हूं। अब पार्टी इस तरह की यात्रा करेगी या नहीं, मैं नहीं कह सकता। हालांकि, जब 'भारत जोड़ो यात्रा' के बारे में उदयपुर में विचार किया गया था, तो पश्चिम से पूर्व की ओर यात्रा निकाले जाने पर भी सोचा गया था।

श्रीरामचरित मानस पर टिप्पणी को लेकर उठे विवाद के बाद अखिलेश यादव से मिले स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। श्रीरामचरित मानस पर टिप्पणी को लेकर विवादों से घिरे समाजवादी पार्टी (सपा) के विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने शनिवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से यहां पार्टी दफ्तर में मुलाकात की। मौर्य दोपहर 12 बजे के आसपास सपा दफ्तर पहुंचे और पार्टी प्रमुख के साथ करीब पौन घंटे तक बैठक की। बैठक के बाद मौर्य ने बातचीत में कहा कि उनकी यह बैठक जाति आधारित जनगणना की मुहिम को तेज करने समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर थी।

यह पूछे जाने पर कि क्या बैठक में श्रीरामचरित मानस पर उनकी विवादित टिप्पणी के बारे में भी कोई चर्चा हुई, मौर्य ने कहा, 'सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से सदन में इसका जवाब देंगे।

इसके अलावा, वह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुक्रवार को राजस्थान में सनातन धर्म को देश का राष्ट्रीय धर्म कहे जाने को लेकर भी पार्टी का पक्ष रखेंगे।' पूर्व कैबिनेट मंत्री ने आरोप लगाया, 'भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार दलितों, पिछड़ों और वंचितों का आरक्षण खत्म करती जा रही है। ऐसे में सपा जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर नयी रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी।'

गौरतलब है कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने पिछले रविवार को एक बयान में श्रीरामचरित मानस की एक चौपाई का जिक्र करते हुए इसे महिलाओं तथा पिछड़ों के प्रति अपमानजक करार दिया था और इस पर पाबंदी लगाने की मांग की थी। उनके इस बयान से खासा विवाद उत्पन्न हो गया था। संत समाज और हिंदूवादी संगठनों ने इसका कड़ा विरोध किया था। मामले में मौर्य के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ है। सपा ने मौर्य के इस बयान को उनकी निजी राय करार देते हुए उससे पल्ला झाड़ लिया था। विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक एवं विधायक मनोज पांडेय समेत कई सपा विधायकों ने भी मौर्य के बयान को गलत बताया था और कहा था कि वे इस विवाद के बाद उपजी स्थिति के बारे में अखिलेश को बताएंगे। हालांकि, मौर्य का कहना है कि उन्होंने महिलाओं और दबे-कुचले तबकों का अपमान करने वाली चौपाई पर टिप्पणी की थी और वह आज भी अपने बयान पर कायम हैं।

सिंधु जल समझौते पर विचार करने की तैयारी में मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू के उरी सेक्टर में सेना के बेस पर आतंकियों के हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौते पर भारत ने अपना रुख साफ कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समझौते की समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले अधिकारियों से कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते। अब मोदी सरकार ने फिर से सिंधु जल समझौते पर विचार करने के संकेत दिए हैं। पीएम की अध्यक्षता वाली सिंधु जल समझैते की समीक्षा बैठक आतंकी हमले के 16 दिन बाद सितंबर 2016 में हुई थी।

आतंकी हमले के दो साल से भी कम समय में मई 2018 में प्रधानमंत्री ने बांदीपोर में 330 मेगावाट (मेगावाट) किशनगंगा पनबिजली परियोजना का उद्घाटन किया और जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 1000 मेगावाट के पाकल-दुल संयंत्र की आधारशिला रखी। 1856 मेगावाट वाले सावलकोट और 800 मेगावाट वाले बरसर के प्रोजेक्ट को पीएम की अध्यक्षता वाली बैठक के बाद गति दी गई। चिनाब की दो सहायक नदियों-किशनगंगा और मरुसुदर पर स्थित प्रोजेक्ट्स में भारत की ओर से तैयारी पाकिस्तान की आतंकी साजिशों के खिलाफ एक जवाब था। पाकिस्तान पर कार्रवाई करते हुए भारत ने 1960 की संधि के प्रावधानों पर कड़ा रुख दिखाकर समझौते के अंदर रहते हुए सिंधु की सहायक नदियों के जल बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है इसका नमूना पेश किया।

एक दशक से लटके पकल-दुल प्रोजेक्ट में तेजी लाकर पाकिस्तान के खिलाफ अपने इरादे को मोदी सरकार ने साफ कर दिया। इन प्रोजेक्ट्स को गति देकर मोदी सरकार ने संकेत दिया की समझौते के दायरे में भारत के पानी का बेहतर उपयोग किया जा सके। इसमें सिंधु की पश्चिमी सहायक नदियों जैसे चिनाब और झेलम के साथ-साथ उनकी सहायक जल धाराओं पर बनी जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण शामिल है। आतंकी हमले के बाद केंद्र ने जम्मू और कश्मीर में लगभग 4000 मेगावाट क्षमता वाली कई रुकी हुई जलविद्युत परियोजनाओं को तेजी लाई है। जिसमें पीएम मोदी ने पिछले साल अप्रैल में किश्तवाड़ में चिनाब पर 850 मेगावाट रतले और 540 मेगावाट क्वार जलविद्युत परियोजनाओं की आधारशिला रखी थी।

अमेरिकी सीनेट कमेटी ऑन फॉरेन रिलेशंस की 2011 की रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत सिंधु से पाकिस्तान की आपूर्ति को नियंत्रित करने के तरीके के रूप में इन परियोजनाओं का उपयोग कर सकता है। स्पष्ट रूप से लंबित पनबिजली परियोजनाओं और भंडारण बुनियादी ढांचे को गति देना भारत की सिंधु रणनीति का एक शानदार उदाहरण है।

संक्षेप खबर

टेक्सास में भारतीयों ने गणतंत्र दिवस मनाया

ह्यूस्टन। अमेरिकी राज्य टेक्सास में भारतीयों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ 74वां गणतंत्र दिवस मनाया। भारत के महावाणिज्य दूत असीम महाजन ने बृहस्पतिवार को एक फेसबुक लाइव में तिरंगा फहराया और भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भाषण पढ़ा। इंडिया हाउस और गुजरात समाज ऑफ ह्यूस्टन में आयोजित समारोह में महाजन ने कई भारतवंशियों के बीच तिरंगा फहराया और उनसे संवाद किया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी, उद्योगपति, विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर आदि उपस्थित थे।

नेपाल के उप प्रधानमंत्री की संसद सदस्यता रद्द, कोर्ट ने दोहरी नागरिकता का दोषी माना

काठमांडू । नेपाल के उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की संसद सदस्यता सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी है। रवि को कोर्ट ने दोहरी नागरिकता का दोषी माना है। कोर्ट ने सांसद के तौर पर उनका चुनाव भी रद्द करने की घोषणा की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उन्हें मंत्री, सांसद और पार्टी अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि को 2022 के आम चुनाव के बाद उप प्रधानमंत्री के साथ ही गृह मामलों की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी, लेकिन फर्जी पासपोर्ट और नागरिकता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बर्खास्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी नेपाल की नागरिकता को अवैध माना है। यह फैसला कार्यवाहक चीफ जस्टिस हरि कृष्ण कार्की और जस्टिस विश्वंभर प्रसाद श्रेष्ट, डॉ. आनंद मोहन भट्टराई और अनिल कुमार सिन्हा की संवैधानिक पीठ ने सुनाया।

ब्रिटिश सिख इंजीनियर प्रधानमंत्री सुनक के पुरस्कार से सम्मानित

लंदन। दुनियाभर में कम आय वाले समूहों के लिए बिजली की बचत करने में सक्षम वाशिंग मशीन बनाने वाले ब्रिटिश सिख इंजीनियर को प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के 'प्वाइंट्स ऑफ लाइट अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। करीब चार साल पहले अपनी वाशिंग मशीन परियोजना तैयार करने वाले नवजोत साहनी को हाथ से चलने वाली मशीन बनाने के लिए सम्मानित किया गया है जिसे बिना बिजली के चलाया जा सकता है। साहनी ने इस महीने की शुरुआत में सुनक से सम्मानित होने के अनुभव को अकल्पनीय बताया। सुनक ने साहनी को लिखे पत्र में कहा, ''आपने दुनियाभर में हजारों लोगों की मदद के लिए इंजीनियर के रूप में अपने पेशेवर कौशल का इस्तेमाल किया है जो बिजली से चलने वाली वाशिंग मशीन का खर्च नहीं उठा सकते।'' वैक्यूम क्लीनर के लिए मशहूर कंपनी डायसन में काम कर चुके साहनी वंचित वर्गों के जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अपने कौशल का उपयोग करना चाहते हैं। लंदन में जन्मे साहनी ने कहा, ''प्वाइंट्स ऑफ लाइट पुरस्कार प्राप्त करना और प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाना विशेष उपलब्धि है।'' ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस वाशिंग मशीन ने ऐसे 1,000 से अधिक परिवारों को लाभान्वित किया है जो कम विकसित देशों या शरणार्थी शिविरों में रहते हैं और जिन्हें बिजली से चलने वाली वाशिंग मशीन का लाभ नहीं मिल पाता।

सोमालिया में आईएसआईएस के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई में आतंकवादी अल-सूडानी मारा गया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेनाओं ने सोमालिया का उत्तरी इलाके में एक अभियान में वहां जिहादी संगठन इस्लामिक स्टेट के दुर्दान्त सरगना बिलाल-अल-सूडानी को एक अभियान में मार गिराया है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड-जे-ऑस्टिन तृतीय ने इस अभियान की पुष्टि की है। सूडानी सोमालिया में इस्लामिक स्टेट ऑफ़ इराक एंड सीरिया (ढ्ढस्ढ्ढस्) के नेटवर्क का मुख्य संचालक और समन्वयक था। उसे अफ्रीका में ढ्ढस्ढ्ढस् की गतिविधियों और उसके वित्त पोषण का सूत्रधार माना जाता था। अमेरिका के श्री ऑस्टिन ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सैन्य बलों को सोमालिया में ढ्ढस्ढ्ढस् के सदस्यों के खिलाफ अभियान चलाने के लिए निर्देश दिए गए थे। इस कार्रवाई में सूडानी और उसके कई साथी मारे गए। बयान में उन्होंने कहा कि इस अभियान से अमेरिका और उसके भागीदार देशों का वातावरण पहले से अधिक सुरक्षित हुआ है। अमेरिकी प्रशासन देश और विदेश में अमेरिकी नागरिकों को आतंकवाद से सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सोमालिया में ढ्ढस्ढ्ढस् के खिलाफ कार्रवाई में कोई नागरिक हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ इस अभियान की सफलता के लिए अमेरिकी खुफिया तंत्र से जुड़े लोगों और उनके साथ सहयोग करने वाली अन्य एजेंसियों तथा सेना के जवानों का आभार जताया है।

ब्रिटेन में भारतीय दूत ने गणतंत्र दिवस पर 'उल्लेखनीय' भारतीय संविधान का जश्न मनाया

लंदन। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने ऐतिहासिक गिल्डहॉल में अपने वार्षिक गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन संगीत, नृत्य और नयी दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर परेड की झलकियों के साथ किया। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने इस मौके पर मौजूद ब्रिटिश सांसदों, समुदायिक नेताओं, राजनयिकों, उद्यमियों और भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने 73 साल पहले लागू भारत के संविधान पर विचार व्यक्त किए और बताया कि यह उल्लेखनीय दस्तावेज वास्तव में देश के लिए क्या मायने रखता है। दोरईस्वामी ने बृहस्पतिवार शाम को 74वें गणतंत्र दिवस समारोह में कहा, ÷संविधान की परिभाषा भारत के संविधान की भावना और अर्थ को पूरी तरह से व्यक्त नहीं करती है क्योंकि यह 1.4 अरब लोगों के लिए है। उन्होंने कहा, हमारा संविधान स्पष्ट रूप से उन वादों को निर्धारित करता है जो हम भारतीयों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में, मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करने, अपने सभी लोगों के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित करने के लिए अपने आप से किया है। यह हालांकि इससे कहीं अधिक है; जो बात इससे सबसे उल्लेखनीय बनाती है वह भारत के संविधान को अपनाने का संदर्भ तथा इसके द्वारा पीढ़ियों से भारतीयों में पैदा की जाने वाली भावना है।÷ भारत-ब्रिटेन संबंधों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने भारतीय समुदाय के जीवंत पुल के तौर पर काम करने की क्षमता और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर चल रही वार्ता की बात की।

द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार के लिए प्रचंड सरकार के साथ काम करने को प्रतिबद्ध है भारतः राजदूत

काठमांडू। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने कहा है कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व पड़ोसी देश के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक गति प्रदान करने के लिए यहां प्रचंड नीत सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीवास्तव ने बृहस्पतिवार को 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में कहा कि दोनों देशों की ओर से उच्चस्तरीय यात्राओं से भारत-नेपाल संबंधों को नये आयाम मिले हैं। समारोह में नेपाल के उप राष्ट्रपति नंद बहादुर पुन, प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के साथ कई मंत्रियों, संसद सदस्यों, पूर्व प्रधानमंत्रियों और अनेक राजनीतिक दलों के नेताओं आदि ने भाग लिया। राजदूत ने कहा कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व द्विपक्षीय संबंधों को और गति प्रदान करने के लिए प्रचंड सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रचंड को पिछले महीने ही प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गयी है। उन्होंने कहा कि वह अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत जाएंगे। राजदूत श्रीवास्तव ने इससे पहले सुबह एक विशेष समारोह में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्र के नाम संदेश पढ़ा।

यूएसएआईडी मानवीय सहायता के रूप में बंगलादेश को देगा करीब 7.50 करोड़ डॉलर

ढाका। यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) ने बंगलादेश के कॉक्स बाजार में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों और बंगलादेशी मेजबान समुदाय के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुल 7.50 करोड़ डॉलर की मानवीय सहायता की घोषणा की है, ताकि भोजन और ईंधन की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे लोगों को मदद मिल सके। अमेरिकी दूतावास द्वारा गुरुवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यूएसएआईडी इस रकम के माध्यम से लगभग छह लाख लोगों को महत्वपूर्ण और जीवन रक्षक सहायता प्रदान करेगा।

तमिलों की राजनीतिक स्वायत्तता के लिए 13ए को पूरी तरह लागू करने की जरूरतः विक्रमसिंघे

कोलंबो। एजेंसी

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने देश में अल्पसंख्यक तमिलों को राजनीतिक स्वायत्तता मुहैया कराने के लिए संविधान में भारत समर्थित 13वें संशोधन को पूरी तरह से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया है। विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को एक सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अगर किसी ने 13ए को पूरी तरह से लागू करने का विरोध किया तो संसद को कानून को खत्म करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

संविधान के 13ए संशोधन में श्रीलंका में तमिल समुदाय को सत्ता के विकेंद्रीकरण का प्रावधान है। भारत 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते के बाद लाए गए 13ए संशोधन को लागू करने के लिए श्रीलंका पर जोर देता रहा है। देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पिछले साल राष्ट्रपति का पद संभालने वाले विक्रमसिंघे ने कहा कि राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते मौजूदा कानूनों को लागू करना उनका कर्तव्य है।

विक्रमसिंघे ने कहा, 'राष्ट्रपति के रूप में, मैं देश के मौजूदा कानून को लागू करने के लिए बाध्य हूं।' उन्होंने कहा कि 13ए को उसी आधार पर पूरी तरह से लागू किया जाएगा क्योंकि यह पहले से ही देश के संविधान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'अगर नहीं, तो संसद को 13ए को खत्म करने के लिए कदम उठाने चाहिए'। यह सर्वदलीय बैठक भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की यात्रा के ठीक बाद हुई। जयशंकर ने जोर दिया था कि भारत चाहता है कि 13ए को पूरी तरह से लागू किया जाए।

पश्चिमी तट हमले के बाद इजराइल-फलस्तीन में तनातनी बढ़ी

यरुशलम। एजेंसी

इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने संकेत दिया कि यदि फलस्तीनी आतंकवादी समूहों ने रॉकेट हमलों को रोक दिया तो सेना अपने हवाई हमले बंद कर देगी। दोनों पक्षों के आक्रामक तेवरों को देखते हुए स्थिति के और बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। बीती रात गाजा क्षेत्र में फलस्तीनी लड़ाकों द्वारा रॉकेट हमलों और इजराइल की तरफ से जवाबी हवाई हमलों के बाद यरुशलम में शुक्रवार की सुबह लोग इस आशंका से सहमे दिखाई दिए कि अब आगे क्या होगा। इजराइली रक्षा मंत्री ने सेना को गाजा पट्टी में ÷यदि आवश्यक हो तो नए हमलों की तैयारी करने का निर्देश दिया। बमबारी दरअसल संघर्ष के केंद्र रहे जेनिन शरणार्थी शिविर पर एक इजराइली छापे के बाद की गई। शरणार्थी शिविर पर छापेमारी के दौरान गोलियां चलाई गईं जिसमें कम से कम सात आतंकवादी और 61 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई थी।

इससे अन्य स्थानों पर हिंसा भड़क गई और यरुशलम के उत्तर में इस दौरान इजराइली बलों के हाथों 22 वर्षीय एक युवक मारा गया। यह हाल के दशक में हुए सबसे भीषण संघर्षों में से एक है। हाल में फिर से बेंजामिन नेतन्याहू के देश की सत्ता संभालने के बाद सामने आया यह संघर्ष उनकी धुर दक्षिणपंथी सरकार के लिये भी चुनौती है।

नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार ने फलस्तीनी आतंकवादियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने का संकल्प लिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की अगले सप्ताह क्षेत्र की संभावित यात्रा की पृष्ठभूमि और इजराइल में धुर दक्षिणपंथी शासन के प्रमुख के तौर पर प्रधानमंत्री नेतन्याहू की सत्ता में वापसी के बाद चरमपंथी हमास के नेतृत्व वाले क्षेत्र से इस तरह का यह पहला हमला है। फिलिस्तीनी आतंकवादियों ने गाजा से इजराइल के दक्षिण की ओर रॉकेट दागे। वहीं इजराइल ने गाजा में उग्रवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए।

उसने प्रशिक्षण शिविर और एक भूमिगत रॉकेट निर्माण स्थल को निशाना बनाया। गैलेंट ने दावा किया कि सेना ने गाजा में फलस्तीनी आतंकवादियों को व्यापक नुकसान पहुंचाया है।

ट्रंप ने किया दावा, यदि राष्ट्रपति होता तो रूस-यूक्रेन संघर्ष 24 घंटे में समाप्त कर देता

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अगर वह अब भी अमेरिका के राष्ट्रपति के पद पर होते, तो 24 घंटे के अंदर रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को बातचीत के माध्यम से समाप्त कर देते। अमेरिका के साप्ताहिक न्यूजवीक ने श्री ट्रंप के हवाले से कहा, अगर मैं राष्ट्रपति होता, तो रूस/यूक्रेन युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता, लेकिन बाद में भी मैं 24 घंटे के भीतर इस भयानक और तेजी से बढ़ते युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत करने में सक्षम होता।÷ उन्होंने संघर्ष को समाप्त करने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के प्रशासन ने यूक्रेन को 31 एम1ए1 अब्राम्स टैंक भेजने का निर्णय लिया है।

उत्तर कोरिया को मानवीय सहायता उपलब्ध कराएगा दक्षिण कोरिया

सियोल। एजेंसी

दक्षिण कोरिया की सरकार ने कहा कि वह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बढ़ती परमाणु महत्वाकांक्षाओं से गहराए राजनयिक संकट को दूर करने की उम्मीद में उत्तर कोरिया को मानवीय सहायता प्रदान करने के नागरिक प्रयासों को बढ़ावा देगी। दक्षिण कोरियाई एकीकरण मंत्री क्वॉन यंग्से ने यह नहीं बताया कि वह किस प्रकार की सहायता को विश्वासयोग्य मानते हैं या क्या उन आदान-प्रदानों से सार्थक कूटनीतिक सफलताओं को प्रेरित करने की अपेक्षा करना यथार्थवादी है। उत्तर कोरिया ने 2019 में अमेरिका के साथ अपनी परमाणु वार्ता के टूटने के बाद से प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया के साथ लगभग सभी सहयोग को निलंबित कर दिया है। अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रतिबंधों को

जारी रखने और (उत्तर कोरिया के) परमाणु हथियारों और मिसाइल कार्यक्रम को कम करने के कदमों पर असहमति को लेकर यह परमाणु वार्ता टूट गई थी। किम ने 2022 में 70 से ज्यादा मिसाइल परीक्षण कर तनाव को और बढ़ा दिया था। इन मिसाइलों में संभावित रूप से परमाणु हथियार ले जाने की भी क्षमता है। इनकी मार करने की क्षमता दक्षिण कोरिया से लेकर अमेरिकी महाद्वीप तक है। किम ने कहा था कि संकट की स्थिति में उत्तर कोरिया अमेरिका व दक्षिण कोरिया के खिलाफ पूर्व निर्धारित परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। वहीं इसके उलट दोनों देशों ने उत्तर कोरियाई धमकी के जबाव में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया। क्वॉन का संवाददाता सम्मेलन शुक्रवार को 2023 के लिए मंत्रालय की नीति योजनाओं पर पत्रकारों को संबोधित करने के लिये था। लेकिन बातचीत को पुनर्जीवित करने के लिए नए विचारों की कमी ने इस बात को रेखांकित किया कि कैसे कोरियाई प्रायद्वीप पर बढ़ते तनाव ने उत्तर के साथ संबंधों को सुधारने और अंततः शांतिपूर्ण एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक मंत्रालय को दरकिनार कर दिया है।

क्वॉन ने कहा, दक्षिण-उत्तर के कड़े तनावपूर्ण संबंधों के बीच बातचीत के रास्ते को फिर से खोलने और दक्षिण व उत्तर के बीच विश्वास बहाली के लिए हम उत्तर कोरिया के साथ संपर्क फिर से शुरू करने के नागरिक संगठनों के प्रयासों का समर्थन करेंगे भले ही यह थोड़ा-थोड़ा हो। साथ ही अंतरराष्ट्रीय संगठनों के माध्यम से संपर्क को व्यापक बनाने का भी प्रयास करेंगे।

भारतीय मां-बेटी की बनाई रंगोली को सिंगापुर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मिली जगह

सिंगापुर । सिंगापुर में 26 हजार आइस्क्रीम स्टिक से प्रख्यात तमिल विद्वानों और कवियों की छह मीटर लंबी और इतनी ही चौड़ी रंगोली बनाने के लिए एक भारतीय महिला और उसकी बेटी का नाम सिंगापुर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। सुधा रवि इससे पहले 2016 में 3,200 वर्ग फुट लंबी रंगोली बनाकर सिंगापुर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाने में सफल रही थीं। उन्होंने अपनी बेटी रक्षिता के साथ मिलकर यहां लिटिल इंडिया परिसर में पोंगल के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में 26 हजार आइसक्रीम स्टिक से बनी रंगोली प्रदर्शित की। इस रंगोली को बनाने में एक महीने का समय लगा था।

पाकिस्तान में विपक्ष के नेता फवाद चौधरी 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजे गये

इस्लामाबाद। एजेंसी

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी को यहां की एक अदालत ने एक संवैधानिक संस्था के खिलाफ हिंसा को उकसावा देने के आरोप में शुक्रवार को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी फवाद को बुधवार को लाहौर में उनके आवास पर मारे गये छापे के दौरान गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के सचिव की शिकायत पर इस्लामाबाद के कोहसर पुलिस थाने में उनके खिलाफ एक मामला दर्ज किये जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। डॉन अखबार की खबर के मुताबिक, इस्लामाबाद जिला एवं सत्र अदालत ने फवाद (52) को एक संवैधानिक संस्था के खिलाफ हिंसा को उकसावा देने के आरोप में 14 दिनों के लिए अडियाला जेल भेज दिया।

अदालत ने फवाद की गिरफ्तारी के कुछ घंटों बाद बुधवार रात उन्हें दो दिनों के लिए पुलिस की रिमांड में भेज दिया था। आयोग के वकील एवं मामले में अभियोजक साद हसन ने संघीय अदालत के समक्ष दलील दी कि उन्होंने एक संवैधानिक संस्था के खिलाफ नफरत को उकसावा दिया था। उन्होंने दावा किया, ''फवाद अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके बयान ने निर्वाचन आयोग के कर्मचारियों की जान को खतरा पैदा किया है।'' आयोग के वकील ने दलील दी कि मामले की आगे की जांच के लिए फवाद की रिमांड बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''न सिर्फ निर्वाचन आयोग के खिलाफ, बल्कि आयोग के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ भी अभियान चलाया गया।'' इस बीच, फवाद ने इस आधार पर अपनी जमानत की अर्जी दायर की है कि उनके खिलाफ मामला दुर्भावनापूर्ण है और यह सिर्फ उन्हें प्रताड़ित करने, दबाव बनाने और ब्लैकमेल करने के लिए दर्ज किया गया है। फवाद की गिरफ्तारी ने पाकिस्तान में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है, जहां खान नीत विपक्षी पार्टी चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान में आम चुनाव अगस्त के बाद होने हैं, जबकि खान इससे पहले कराने की मांग कर रहे हैं।

भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अमेरिकी वायु सेना के ब्रिगेडियर जनरल नामित

वाशिंगटन। भारतीय मूल के चर्चित अंतरिक्ष यात्री राजा जे चारी अमेरिकी वायु सेना में ब्रिगेडियर जनरल बनाए जाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नासा में कार्यरत चारी को ब्रिगेडियर जनरल के रूप में नियुक्त करने के लिए नामित किया है। भारतीय मूल के राजा जे चारी इस समय नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के टेक्सास स्थित जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र में क्रू-3 के कमांडर एवं अंतरिक्ष यात्री के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुसार अमेरिकी वायु सेना से कर्नल का ओहदा प्राप्त 45 वर्षीय राजा जे चारी की ब्रिगेडियर जनरल के रूप में नियुक्ति संबंधी दस्तावेज को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंजूरी दे दी है।

पाकिस्तान में रहस्यमय बीमारी से 18 लोगों की मौत

कराची। एजेंसी

पाकिस्तान में कराची के केमारी इलाके में एक रहस्यमय बीमारी से 14 बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान के इस दक्षिणी बंदरगाह शहर में स्वास्थ्य अधिकारी अभी भी मौत के कारणों का पता नहीं लगा पाए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक अब्दुल हमीद जुमानी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की कि केमारी के मावाच गोथ इलाके में 10 से 25 जनवरी के बीच रहस्यमयी बीमारी से 14 बच्चों सहित 18 लोगों की मौत हो गई। अब्दुल हमीद जुमानी ने कहा, ''इन मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए एक स्वास्थ्य टीम अभी काम कर रही है, लेकिन हमें संदेह है कि यह समुद्र या पानी से संबंधित हो सकता है क्योंकि गोथ (गांव) जहां ये मौतें हुई हैं, वह तटीय क्षेत्र के बेहद करीब है।'' मावाच गोथ एक झुग्गी बस्ती क्षेत्र है जहां के लोग ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर या मछुआरे हैं। जुमानी ने कहा कि मृतकों के परिजनों ने पुष्टि की थी कि मरने से पहले उनके परिजनों को तेज बुखार, गले में सूजन और सांस लेने में तकलीफ हुई थी। अधिकारी ने कहा, ''कुछ लोगों ने यह भी शिकायत की है कि पिछले दो हफ्तों में क्षेत्र में एक अजीब सी गंध आ रही है।'' केमारी के उपायुक्त मुख्तार अली अब्रो ने कहा कि उन्होंने इस सिलसिले में एक फैक्टरी मालिक को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि हमने राज्य की पर्यावरणीय एजेंसी को बुलाया था जिसने इस क्षेत्र में संचालित तीन फैक्टरी से नमूने एकत्र किए।

ब्रिटेन में पाकिस्तानी सेना के साथ स्थिरता सम्मेलन अगले माह, कश्मीर मुद्दे पर भी होगी चर्चा

लंदन। एजेंसी

पाकिस्तान और ब्रिटेन की सेना संयुक्त रूप से अगले माह क्षेत्रीय स्थिरता सम्मेलन करेगी। ब्रिटेन में प्रस्तावित इस सम्मेलन में अन्य मसलों के साथ कश्मीर मुद्दे पर भी चर्चा का प्रस्ताव भी एजेंडे में शामिल किया गया है। भारत को लेकर ब्रिटेन की भूमिका लगातार सवालों के घेरे में आ रही है।

हाल ही में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर बीबीसी ने गुजरात दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री प्रकाशित की है। माना जा रहा है कि बीबीसी ने यह कदम ब्रिटेन के विदेश विभाग के निर्देशों के बाद उठाया है। अब ब्रिटेन में अगले माह पाकिस्तान के साथ प्रस्तावित क्षेत्रीय स्थिरता सम्मेलन पर सवाल उठ रहे हैं। इस सम्मेलन का आयोजन पाकिस्तान और ब्रिटेन की सेना संयुक्त रूप से ब्रिटेन में ही कर रही है। दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरताः भू-राजनीति और अन्य चुनौतियों की वापसी थीम पर आयोजित हो रहे इस सम्मेलन में चर्चा के लिए सूचना संचालन की भूमिका, युद्ध में साइबर हमला, दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय स्थिरता व सुरक्षा चुनौतियां जैसे विषय शामिल किये ही गए हैं, साथ ही कश्मीर का मसला भी उठाए जाने का प्रस्ताव सम्मेलन के एजेंडे में शामिल है। ब्रिटेन में इस समय भारतीय मूल के ऋषि सुनक प्रधानमंत्री हैं। सुनक सरकार के निमंत्रण पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर अगले माह ब्रिटेन जा रहे हैं। वे वहां पांच से आठ फरवरी के बीच विल्टन पार्क में होने वाले संयुक्त ब्रिटेन-पाक क्षेत्रीय स्थिरता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। विल्टन पार्क ब्रिटेन के विदेश कार्यालय की एक कार्यकारी एजेंसी है, जो रणनीतिक चर्चाओं के लिए एक मंच प्रदान करती है। ब्रिटेन के सेना प्रमुख जनरल पीएन वाई एम सैंडर्स इस कार्यक्रम की सह मेजबानी करेंगे।

नेपाल विमान हादसा : यति एयरलाइन्स के विमान के ब्लैक बॉक्स की सिंगापुर में जांच होगी

सिंगापुर। एजेंसी

सिंगापुर का परिवहन मंत्रालय नेपाल के जांच अधिकारियों के अनुरोध पर यति एयरलाइंस के हाल में दुर्घटनाग्रस्त विमान संख्या-691 के ब्लैक बॉक्स की जांच करेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यति एयरलाइंस का विमान 15 जनवरी को पोखरा हवाई अड्डे पर उतरते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में विमान में सवार सभी 72 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें पांच भारतीय थे। परिवहन मंत्रालय (एमओटी) के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि एमओटी का परिवहन सुरक्षा जांच ब्यूरो (टीएसआईबी) दोहरे इंजन वाले एटीआर-72 विमान के फ्लाइट रिकॉर्डर से डेटा को पुनः प्राप्त करने और उसका विश्लेषण करने में मदद करेगा। प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को बताया कि विश्लेषण टीएसआईबी के 'फ्लाइट रिकॉर्डर रीडआउट' केंद्र में किया जाएगा, जिसे 2007 में स्थापित किया गया था। 'स्ट्रेट्स टाइम्स' ने प्रवक्ता के हवाले से कहा, ''जांच की प्रगति और निष्कर्षों सहित सभी जानकारी नेपाली जांच प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित की जाएगी।'' फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर (एफडीआर) और कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर (सीवीआर) या ब्लैक बॉक्स, एक उड़ान से जुड़ी जानकारी जैसे कि उपकरण संबंधी चेतावनी व ऑडियो रिकॉर्डिंग रखते हैं। इनसे किसी घटना के कारणों का पता लगाने में मदद मिलती है। ब्लैक बॉक्स जूते के डिब्बे के आकार का होता है और फ्लोरेसेंट नारंगी रंग का होता है। 'वाशिंगटन पोस्ट' की खबर के अनुसार, नेपाल का जांच दल शुक्रवार को फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर लेकर सिंगापुर रवाना होगा। 'काठमांडू पोस्ट' ने बुधवार को अपनी एक खबर में बताया था कि ब्लैक बॉक्स की जांच में एक सप्ताह लग सकता है और इसके लिए कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। एमओटी और नेपाल के संस्कृति, पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान दुर्घटना की जांच में सहयोग के लिए फरवरी 2020 में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत सिंगापुर इन ब्लैक बॉक्स की जांच कर रहा है।

एमओटी के प्रवक्ता ने कहा, ''एमओयू के दायरे में जांच सुविधाएं और उपकरणों का उपयोग आता है, जिसमें फ्लाइट रिकॉर्डर रीडआउट सुविधा और प्रशिक्षण आदि शामिल हैं।''

अमेरिकी वायुसेना के ब्रिगेडियर जनरल ग्रेड पर नियुक्ति के लिए भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नामित

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री राजा जे चारी को वायु सेना के ब्रिगेडियर जनरल के ग्रेड में नियुक्त करने के लिए नामित किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुताबिक, बाइडन ने वायु सेना के कर्नल चारी (45) को बृहस्पतिवार को वायु सेना के ब्रिगेडियर जनरल के ग्रेड में नियुक्त करने के लिए नामित किया। उनके नामांकन को सीनेट की मंजूरी की आवश्यकता होगी, जो सभी शीर्ष नागरिक और सैन्य नियुक्तियों को स्वीकृति प्रदान करती है। चारी फिलहाल 'नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा) के टेक्सास स्थित जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र में क्रू-3 के कमांडर एवं अंतरिक्ष यात्री के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से एअरोनॉटिक्स में परास्नातक और मैरीलैंड स्थित यूएस नेवल टेस्ट पायलट स्कूल से स्नातक कर रखा है। वह कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स वायु सैनिक अड्डे पर 461वें फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के कमांडर और एफ-35 इंटीग्रेटेड टेस्ट फोर्स के निदेशक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

संपादकीय

दिन तो बीतते जाते हैं

जन्म हुआ की बचपन आया , किशोरावस्था आयी , जवानी आयी फिर अन्त में बुढ़ापा आया और समयानुसार जिन्दगी पूरी हुई। जरुरी नहीं है की बुढ़ापा हमारे जीवन आये उससे पहले भी हम अगले भव जा सकते है । हम देखते है की इस सतत गतिमान जीवन की अवधि में हमने जिस उद्देश्य से जन्म लिया उसकी उसकी सुध-बुध कहाँ ली है । साधु , श्रावक त्याग , सम्यक्त्व आदि वाला , सिर्फ सम्यक्तव वाला भी सामान्य देवगति नहीं वह उच्ची वैमानिक देवगति में वह उत्पन्न होगा । सरल भद्र बिना ईर्ष्या आदि वाला बिना धर्म किए अपनी प्रकृति से मनुष्य में वापिस आ सकता है ।झूट , कपट व बात को झूट से बोल व ढकने वाला आदि आदमी तिर्यंच पशु आदि की गति का आयुष्य बाँध लेता है । एक आदमी निष्ठुर , हिंसा वाला , महापरिग्रह , माँस , मारने वाला प्राणियो को , महाआसक्ति वाला आदमी आदि मरकर के नरक गति का आयुष्य बाँध लेता है ।असाध्ना नहीं हो तो भगवान महावीर का जीव त्रिपिष्ठ वासुदेव बन गये थे व हिंसा आदि के कारण नरक का आयुष्य बाँध लिया । कर्मवाद में पक्षपात नहीं है तीर्थंकर बनने वाले है आदि - आदि इनको भी कोई छूट मिलनी चाहिए । खराब बन्ध 7 वी नरक का लम्बा अधिकतम आयुष्य इन्होंने बाँध लिया ।उस स्थिति में जाकर के भगवान महावीर की आत्मा पैदा हो गयी ।किसी को छूट नहीं है । हिंसा आदि के परिणाम है की आदमी नरक गति का आयुष्य बाँध लेता है । जीव आयुष्य सहित आगे जाता है । मोक्ष न मिला तब तक आयुष्य बन्धन होता रहता है परन्तु आदमी यह ध्यान दे की कम से कम खराब गति में न जाना पड़े । दुर्गति नरक व तिर्यंच में तो नहीं जाना पड़े । इसके लिये अपेक्षा है गलत से बचने का प्रयास करे । हर अवस्था में अवस्थानुसार समझ , नासमझ व जम्मिदारियाँ आदि तो रहेंगी ही । अत: हम समझ पकड़ने के बाद दैनिक समय सारणी में एक निश्चित अवधि तक आध्यात्मिक चर्या में सतत वृद्धि कर तो रहे सुरक्षित ।इससे सही में हो सकती है हमारी जीवन लक्ष्य की ओर प्रस्थान गति में अनवरत प्रगति ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

जोशीमठ से सबक लेने में न हो देरी

यहां तक कि 1970 के दशक जैसे वक्त में भी जोशीमठ में जमीन धंसने की घटनाओं की सूचनाएं हैं, जब एमसी मिश्रा की अध्यक्षता वाली 18 सदस्यीय कमेटी ने चेतावनी दी थी कि जोशीमठ एक भौगोलिक रूप से अस्थिर पहाड़ी पर बसा है और अनेक प्रतिबंध लगाने और सुधार के उपाय के सुझाए थे। यह मिश्रा कमेटी जोशीमठ शहर की धंसने की ओर अग्रसरता के पीछे कारणों की जांच के लिए बनाई गयी थी। रिपोर्ट बताती है कि जोशीमठ जिस जगह बसा है वह पिछले काफी समय से भूधंसाव की प्रवृत्ति वाला क्षेत्र है, ये पहाड़ ढीली पकड़ और गैर-सख्त सतह वाले हैं, जिनकी जड़ में मिट्टी और मलबे जैसी पोली परत है।

केएम सिंह

जोशीमठ शहर पर आई त्रासदी राज्य सरकार द्वारा पर्यावरणविदों, भू-वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों द्वारा बारम्बार व्यक्त तमाम चिंताओं की सरासर अनदेखी का परिणाम है। जाने-माने पर्यावरणविद चंडी प्रसाद भट्ट ने दो दशक पहले ही जोशीमठ पर मंडरा रही आसन्न विपदा की चेतावनियां अच्छी तरह पता होने के बावजूद समय रहते उपाय करने में असफल रहने के लिए सरकारों को आड़े हाथ लिया। भट्ट के अनुसार, नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी सहित 12 वैज्ञानिक संस्थाओं ने अध्ययन किया था, इसमें बताया गया है कि जोशीमठ के जिस क्षेत्र का सर्वेक्षण किया गया है, उसके 99 प्रतिशत से अधिक भाग को भू-धंसाव का खतरा है, बस मात्रा का फर्क है। यहां तक कि 1970 के दशक जैसे वक्त में भी जोशीमठ में जमीन धंसने की घटनाओं की सूचनाएं हैं, जब एमसी मिश्रा की अध्यक्षता वाली 18 सदस्यीय कमेटी ने चेतावनी दी थी कि जोशीमठ एक भौगोलिक रूप से अस्थिर पहाड़ी पर बसा है और अनेक प्रतिबंध लगाने और सुधार के उपाय के सुझाए थे। यह मिश्रा कमेटी जोशीमठ शहर की धंसने की ओर अग्रसरता के पीछे कारणों की जांच के लिए बनाई गयी थी। रिपोर्ट बताती है कि जोशीमठ जिस जगह बसा है वह पिछले काफी समय से भूधंसाव की प्रवृत्ति वाला क्षेत्र है, ये पहाड़ ढीली पकड़ और गैर-सख्त सतह वाले हैं, जिनकी जड़ में मिट्टी और मलबे जैसी पोली परत है। परिणामस्वरूप, इस सारे इलाके की भारवहनीय क्षमता अधिक नहीं है। रिपोर्ट इस क्षेत्र में अनियोजित विकास कार्य न किए जाने की चेतावनी देती है और इसको 'प्राकृतिक रूप से अतिसंवेदनशील' बताती है। इसमें आगे कहा गया है कि इन पहाड़ों की भू-संरचना से पानी की निकासी की सुविधाएं यथेष्ट न होना भी भूस्खलन का एक कारण है। मिश्रा कमेटी की इस चेतावनी की परवाह न करते हुए, इस क्षेत्र में काफी संख्या में पनबिजली परियोजनाएं बनाने की इजाज़त दी गई। इनमें जोशीमठ के तपोवन इलाके की विष्णुगाड परियोजना भी है। इलाके के स्थानीय लोग और पर्यावरण कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जिन निजी एजेंसियों ने परियोजनाओं से पहले सर्वे किया, वे इस खित्ते की नाजुक भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखने में विफल रही हैं, इस पहाड़ी इलाके में सुरंगें बनाना यानी स्थानीय पर्यावरणीय संतुलन से छेड़छाड़ करना है। मई, 2010 में, गढ़वाल विश्वविद्यालय के दो अनुसंधानकर्ता और आपदा शमन प्रबंधन केंद्र ने 'करंट साइंस' नामक विज्ञान पत्रिका में एक बढ़िया खोजपरक लेख छापा था, इसमें जोशीमठ को दरपेश तीन जोखिमों पर प्रकाश डाला था : 1. सरकार को चाहिए था कि सुरंगों की आपसी सीध का मेल करना, जो कि पनबिजली परियोजना का अंग होता है, उसकी अनुमति देकर इस शहर को और अधिक जोखिमज़दा न होने देती। 2. सुरंगें बनाने की प्रक्रिया से भूमि की पानी-संचयन परत में छेद हो जाता है और इससे भारी मात्रा में अचानक निकला पानी इलाके भर में बाढ़ ला देता है। 3. विशाल पैमाने की बुनियादी ढांचा विकास योजनाएं जैसे कि पनबिजली परियोजना और सड़क निर्माण पर अमल करने से पहले इस क्षेत्र के प्राकृतिक संतुलन और भू-गर्भीय नाजुकता को समझने में असमर्थ रहना, संबंधित प्राधिकरणों की कोताही के कृत्य हैं। सालों से जोशीमठ शहर बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब सहित अनेक तीर्थ स्थलों का मुख्यद्वार रहा है, पर्यटन स्थल औली का रास्ता भी यहीं से होकर है। रिपोर्टों के अनुसार, विशेषज्ञों का मानना है कि अनियोजित निर्माणकार्य, जरूरत से अधिक आबादी का घनत्व, पनबिजली परियोजनाएं और भूगर्भीय जल के निकासी प्रवाह में रुकावट बनने से जोशीमठ का वर्तमान संकट बना होगा। वर्ष 2013 में हुई केदारनाथ त्रासदी के बाद, सर्वोच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने उत्तराखंड में पनबिजली परियोजनाओं की एवज पर होने वाले पर्यावरणीय नुकसानों का संज्ञान लिया था। इसके चलते अलकनंदा और भागीरथी नदियों की घाटी में प्रस्तावित 24 पनबिजली परियोजनाओं को स्थगित कर दिया गया। पर्यावरणविद रवि चोपड़ा की अध्यक्षता वाले विशेषज्ञ पैनल ने वर्ष 2014 में दी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 2013 में आई भीषण बाढ़ के पीछे पनबिजली परियोजानाओं की परोक्ष-अपरोक्ष भूमिका है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि पनबिजली परियोजनाओं को लेकर नीति की रूपरेखा तैयार करे, लेकिन यह अब तक नहीं बन पाई। रवि चोपड़ा, जिन्होंने चार धाम यात्रा के लिए सर्व-मौसम मार्ग निर्माण योजना पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बनाए पैनल की अध्यक्षता भी की थी, उन्होंने पिछले हफ्ते जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि वर्ष 2015 में एक वैज्ञानिक लेख 'सुरंगों की वजह से चट्टानों की भार वहन प्रकृति में बदलाव' में बताया गया है कि उत्तराखंड में हेलांग से तपोवन तक 12.1 किमी लंबी सुरंग बनाने में बार-बार किए जाने वाले बारूद धमाके और सुरंग खोदने वाली मशीनों के फंसने से इस इलाके में दरारें आई हैं। यह तथ्य पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों द्वारा बताए इन कारणों की ताईद करता है कि जोशीमठ में जो कुछ हुआ वह राष्ट्रीय ताप बिजली निगम द्वारा सुरंगें बनाने में उपयोग की गई प्रक्रिया का नतीजा है। इस परियोजना में जोशीमठ से 15 किमी ऊपर, नदी की धार पर कंक्रीट का बैराज भी बनना है, उसको लेकर पहले से भूधंसाव का संकट झेल रहे स्थानीय लोगों में अतिरिक्त चिंता है। गढ़वाल मंडल भारत में पर्यावरण की दृष्टि से नाजुक इलाकों में एक है। 2013 में आई भीषण केदारनाथ बाढ़ और 2021 में चमोली त्रासदी, जिससे जोशीमठ क्षेत्र के आसपास 200 के लगभग लोग मारे गए थे और दो पनबिजली परियोजनाओं को नुकसान हुआ था। वे अग्रसूचक हैं कि अगली हिमालयी बाढ़ कितना कहर बरपाएगी। हालांकि पिछले दशक में जिन कई सड़कों और पनबिजली परियोजनाओं को अनुमति मिली थी, उन पर काम जारी है, तथापि विकास कार्य और पर्यावरणीय चिंताओं में संतुलन बनाने के लिए पुनर्समीक्षा करने की फौरी जरूरत है। हो सकता है कुछ उपायों से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में कमी आए, किंतु यह घाटा इस क्षेत्र को दरपेश पर्यावरणीय त्रासदी के जोखिम के मुकाबले सावधानीपूर्वक तोला जाना चाहिए। इसरो के हैदराबाद स्थित नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने हाल ही में जोशीमठ की उपग्रही तस्वीरें और भू-धंसाव पर अग्रिम रिपोर्ट जारी की थी, इसके अनुसार समूचा शहर धंस सकता है। इसरो द्वारा जारी जोशीमठ की छवियां दर्शाती हैं कि यह हिमालयी नगर 12 दिनों में तेजी से 5.4 सेंमी. धंसा है, जिसकी शुरुआत शायद 12 जनवरी को हुए धंसाव से हुई। तस्वीरों से अनुमान है कि जोशीमठ-औली मार्ग भी भू-स्खलन में धंस सकता है। इसरो की यह अग्रिम रिपोर्ट वाकई डराने वाली है। जोशीमठ नगर के धंसने से जगी उत्तराखंड सरकार ने 7 सदस्यीय पैनल का गठन किया, जिसमें आईआईटी रुड़की, जियोलॉजिक सर्वे ऑफ इंडिया, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी और वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी को जोशीमठ में जमीनी सर्वे करने का काम सौंपा गया।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

भारत में उपभोग की असमानता पिछले 40 वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

किसी भी देश की आर्थिक नीतियां सफल हो रही हैं इसका एक पैमाना यह भी हो सकता है कि क्या समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक इन आर्थिक नीतियों का लाभ पहुंच रहा है? भारत में हाल ही के समय में इस संदर्भ में कुछ विशेष प्रयास किए गए हैं और यह प्रयास एक तरह से प्राचीन भारत में लागू की गई आर्थिक नीतियों की झलक दिखलाते नजर आ रहे हैं। भारत में अर्थ से सम्बंधित प्राचीन ग्रंथों आध्यात्मिक ग्रंथों सहित में यह कहा गया है कि यह राजा का कर्तव्य है कि वह अपनी प्रजा की अर्थ से सम्बंधित समस्याओं का हल खोजने का प्रयास करे। पंडित श्री दीनदयाल उपाध्याय जी ने भी एक बार कहा था कि किसी भी राजनैतिक दल के लिए केवल राजनैतिक सत्ता हासिल करना अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि यह एक माध्यम बनना चाहिए इस बात के लिए कि देश के गरीब से गरीब व्यक्ति तक आर्थिक विकास का लाभ पहुंचाया जा सके। सामान्यत: विभिन्न देशों में आर्थिक विकास के चक्र के दौरान देश के नागरिकों के बीच आय की असमानता की खाई बहुत गहरी होती जाती है। विशेष रूप से जिन देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाया गया है वहां इस तरह की समस्या गम्भीर होती गई है और इन देशों को इस समस्या को हल करने का कोई उपाय दिखाई नहीं दे रहा है। विश्व में आज ऐसे कई देश हैं जिनके 20 प्रतिशत नागरिकों के पास 80 प्रतिशत से अधिक की सम्पति जमा हो गई है जबकि 80 प्रतिशत नागरिकों के पास केवल 20 प्रतिशत से भी कम संपत्ति है। प्राचीन भारत में आय की असमानता की समस्या के इस तरह से गम्भीर रूप लेने का उल्लेख भारतीय ग्रंथों में नहीं मिलता है। दरअसल उस समय भारत में आर्थिक मॉडल ही इस प्रकार का था कि राज्य में सेठ साहूकार जरूर हुआ करते थे परंतु आज के विकसित देशों की बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की तरह नहीं होते थे कि राष्ट्र की अधिकतम संपत्ति पर अपना अधिकार स्थापित करने का प्रयास करें। प्राचीन भारत में उत्पाद की वास्तविक लागत में लाभ का केवल कुछ हिस्सा (5 अथवा 10 प्रतिशत) जोड़कर ही उत्पाद को बेचा जाता था। आज तो बहुराष्ट्रीय कम्पनियां उत्पादों पर कितना लाभ लेती हैं इसकी कोई सीमा ही नहीं है। इन कारणों के चलते ही आज विभिन्न देशों के आर्थिक विकास के साथ साथ अमीर व्यक्ति अधिक अमीर होता जा रहा है और गरीब व्यक्ति और अधिक गरीब होता जा रहा है। आज अमेरिका जैसे विश्व के सबसे अमीर देश में भी लगभग 6 लाख व्यक्ति ऐसे हैं जिनके पास रहने के लिए घर नहीं है और वे खुले में रहने को मजबूर हैं। आय की असमानता के रूप में यही हाल लगभग सभी विकसित देशों का है। भारत में आर्थिक नीतियों को लागू करने में इस बात का ध्यान रखा जा रहा है कि किस प्रकार आर्थिक प्रगति का लाभ गरीबतम नागरिकों तक भी पहुंचे। अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मोनेटरी फण्ड में प्रस्तुत किए गए एक रिसर्च पेपर - 'महामारी गरीबी एवं असमानता- भारत से साक्ष्य' - में बताया गया है कि भारत में कोविड महामारी के खंडकाल में भी उपभोग की असमानता में सुधार दिखाई दिया है और वित्तीय वर्ष 2020-21 में यह पिछले 40 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। इसी प्रकार भारतीय स्टेट बैंक द्वारा भी सम्पत्ति की असमानता विषय पर जारी किए गए एक अन्य प्रतिवेदन में लगभग इसी प्रकार के तथ्य को उजागर किया गया है। इसके पीछे मुख्य कारण यह बताया गया है कि देश में कोरोना महामारी के दौरान मार्च 2020 में चालू की गई प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड़ नागरिकों को 5 किलो गेहूं अथवा चावल मुफ्त उपलब्ध कराया जा रहा है इससे देश के गरीबतम व्यक्तियों को वास्तविक रूप से आर्थिक सहायता पहुंच रही है। यह सहायता देश में पहिले से ही लागू राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही सहायता के अतिरिक्त है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत प्रत्येक गरीब परिवार को 35 किलो अपरिष्कृत अनाज गेहूं एवं चावल क्रमशः एक रुपए दो रुपए एवं तीन रुपए प्रति किलो की सस्ती दर पर प्रतिमाह उपलब्ध कराया जाता है। हालांकि अब 1 जनवरी 2023 से प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत दिया जाने वाला लाभ अब राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत दिया जाता रहेगा। केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण किसानों एवं ग्रामीण इलाकों में गरीब नागरिकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध करायी जा रही सहायता के चलते प्रति परिवार प्रति वर्ष लगभग 75000 रुपए की आय होने लगी है। प्रधान मंत्री किसान योजना के अंतर्गत किसानों को प्रति परिवार 6000 रुपए प्रति वर्ष सीधे उनके बैंक खातों के माध्यम से प्रदान किए जा रहे हैं। एमजीनरेगा योजना के अंतर्गत प्रतिदिन 182 रुपए की दर पर कम से कम 100 दिनों का रोजगार प्रति परिवार उपलब्ध कराया जाता है जिसके अंतर्गत प्रति परिवार 18200 रुपए की आय प्रति वर्ष होती है। उज्जवला योजना के अंतर्गत सब्सिडी सहित गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है जिसके अंतर्गत प्रति परिवार 1138 रुपए की सब्सिडी प्रति परिवार प्रति वर्ष प्राप्त होती है। इसी प्रकार ग्रामीण इलाकों में 318 रुपए की न्यूनतम मजदूरी प्राप्त होती है और एक अनुमान के अनुसार प्रति परिवार कम से कम 150 दिनों का कार्य तो प्रति परिवार उपलब्ध होता ही है। इस मद से प्रति वर्ष प्रति परिवार 47700 रुपए की आय होती है। इस प्रकार उक्त समस्त मदों का जोड़ रुपए 73038 रुपए आता है। उक्त योजनाओं के माध्यम से देश के ग्रामीण इलाकों में गरीबतम नागरिकों को सहायता पहुंचाने का गम्भीर प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा है जिसके कारण देश में उपभोग की असमानता में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। कोरोना महामारी के खंडकाल में अमेरिका ने भी अपने नागरिकों के खातों में 2000 अमेरिकी डॉलर की राशि प्रति व्यक्ति जमा की थी। परंतु मुद्रा स्फीति की दर अधिक होने के कारण (उस समय अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर पिछले 40 वर्षों के अधिकतम स्तर अर्थात 8 प्रतिशत से अधिक हो गई थी) नागरिकों की क्रय शक्ति कम हो गई थी। दूसरे लगभग सभी नागरिकों के हाथों में अमेरिकी डॉलर के रूप में एकमुश्त राशि आ जाने के कारण उत्पादों की मांग बहुत तेजी से बढ़ी जबकि उत्पादों की उपलब्धता पर ध्यान नहीं दिया जा सका था। इसके कारण मुद्रा स्फीति की दर भी बहुत बढ़ गई थी। जबकि भारत में गरीब वर्ग के नागरिकों को सीधे ही अन्न उपलब्ध कराया जाता रहा जिस पर मुद्रा स्फीति का प्रभाव यदि हुआ भी था तो इसे केंद्र सरकार ने वहन किया था। इस कारण से अमेरिकी नागरिकों को जहां वास्तविक सहायता राशि (मुद्रा स्फीति समायोजित) कम मिली वहीं भारतीय गरीब नागरिकों को वास्तविक सहायता राशि अधिक प्राप्त हुई।

विचार मंथन

डानी समूह के पिछले साल के सौदों की जांच करेगी सेबी

(लेखक - सनत जैन)

सेबी (बाजार नियामक संस्था) ने अडानी समूह की कंपनियों के पिछले साल हुए सौदों की जांच के क्रम को आगे बढ़ा दिया है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद नियामक संस्था सेबी पर भारी दबाव देखा जा रहा है। सेबी ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट का गहन अध्ययन शुरू कर दिया है। लेखा परीक्षक इसकी जांच कर रहे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की प्रारंभिक जांच सेबी ने शुरू कर दी है। सेबी इस बात की भी जांच करेगी कि टैक्स बचाने के लिए कम कराधान वाले बाहर के देशों से हुये अनुचित निवेश की जांच शुरू कर दी है। अडानी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के सभी लेनदेन की जांच करने का दायरा सेबी ने बढ़ा दिया है। सेबी कंपनी के ऊपर लगातार दबाव बन रहा है कि वह अपने डिस्क्लोजर और दस्तावेज प्रस्तुत करे। लेकिन अडानी समूह ने सेबी द्वारा भेजी गई ईमेल का जवाब भी नहीं दिया है। सेबी ने अडानी समूह की जिन कंपनियों के बारे में जानकारी मांगी थी। अडानी समूह की कंपनियों द्वारा जानकारी देने में लगातार हीला हवाली की जा रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सेबी ने मारीशस एवं अन्य देशों के माध्यम से आए आफशोर फंड की जांच शुरू कर दी है। अडानी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी विदेशी निवेश की मानी जा रही है। सेबी इस जांच को नहीं कर पा रही है क्योंकि नियामक की जांच को अडानी समूह द्वारा न्यायधिकार क्षेत्र में ले जाया गया है। न्यायिक हस्तक्षेप और सूचना के अभाव सेसेबी की जांच अभी तक ठंडे बस्ते में पड़ी हुई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अब नियामक संस्था सेबी के ऊपर भी भारी दबाव देखने को मिल रहा है। एक बार फिर जांच के नाम पर सेबी सक्रिय हो गई है। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है राजनीतिक संरक्षण के चलते सेबी की जांच सही दिशा की ओर बढ़ेगीयह कहना बड़ा मुश्किल है। वित्तीय बाजार में चर्चा के अनुसार अडानी समूह द्वारा पिछले 3 वर्षों में भारी पैमाने पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर संपत्तियों का बढ़ा चढ़ाकर मूल्यांकन करने कम कराधान वाले देशों से काले धन का निवेश भारतीय शेयर बाजार में करनेबैंकों से कर्ज उठाने तथा शेयर बाजार में सुनियोजित तरीके से शेयर की प्राइस बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर अनुचित गड़बड़ियां की हैं। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से अब कंपनी की सभी गड़बड़ियां दस्तावेजी स्वरूप में सामने आ गई हैं। जिसे छुठला पाना अब अडानी समूह के लिए आसान नहीं होगा। वहीं सेबी भी जाँच मैं तथ्यों को छिपा पाने में सफल नहीं हो पाएगी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अडानी समूह ने एक बहुत बड़ी गलती कर दी है। राजनीतिक संरक्षण के चलते फर्जी दस्तावेज तैयार कर वैश्विक स्तर पर दुनिया के सबसे बड़े उद्योगपति बनने का तकमा हासिल करने की दौड़ में शामिल थे। वह दशकों से स्थापित बड़े-बड़े धनकुबेरों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। उसके कारण सारी दुनिया के सबसे बड़े धन्ना सेठों की वह नजरों में थे। जिस तरह से अडानी समूह की कंपनियों का लगातार मुनाफा ओर पूंजीकरण बढ़ रहा था। मुकेश अंबानी सहित दुनिया भर के पहले 10 उद्योगपति इस लड़ाई में अडानी की गड़बड़ियों को लेकर काफी सचेत हो गए थे। पिछले कई महीनों से अडानी समूह द्वारा भारत सरकार बाजार नियामक संस्था सेबी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को जो फर्जी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही थी। उसके सभी दस्तावेज जुटाने के लिए 6 महीने से ज्यादा का समय हिंडनबर्ग को लगा। दुनिया के कई देशों से दस्तावेज जुटाने के लिए सैकड़ों लोगों को काम पर लगाया था। उपलब्ध दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया। उसके बाद अडानी समूह की गड़बड़ियों का खुलासा किया है। इस कार्य में दुनिया भर के बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने भी अपनी रुचि दिखाई थी। जिसके कारण अडानी समूह अपने ही बिछाए हुए मकड़जाल में फंस गया है। भारत की संवैधानिक संस्थाओं और नियामक संस्थाओं पर केंद्र सरकार का जिस तरह का प्रभाव है। उससे भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता विश्व स्तर पर कम हुई है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में हिंडनबर्ग ने अडानी की चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा है कि यदि उनमें हिम्मत है। तो वह उनके प्रश्नों का जवाब दें। अडानी समूह यदि उनके ऊपर कानूनी कार्यवाही करना चाहता हैतो उसके लिए वह तैयार है।

अडानी समूह की सबसे बड़ी चिंता यह हैकि भारत में तो वह जो चाहें मैनेज कर सकते हैं। लेकिन अमेरिका जैसे देश में उनका जादू नहीं चलेगा। वहां पर दूध का दूध और पानी का पानी होगा। ऐसी स्थिति में अडानी समूह ना तो हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को स्वीकार कर पा रहा है। नाही अभी तक कोई कानूनी कार्यवाही हिंडनबर्ग के खिलाफ शुरू की है। भारत सरकार की ओर से भी अभी तक ऐसी कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। कुछ ऐसी चीजें जो हमारे जीवन में इस तरह से घुल-मिल गई हैं कि पता ही नहीं चलता कि उसका नाता भारत से नहीं है। क्या तुम्हें पता है कि समोसे जैसी फेमस चीज जो तुम अक्सर खाया करते हो उसका ऑरिजिन भारत नहीं है। ऐसी ही कुछ और चीजें जो देश में कहीं और से आईं लेकिन इस देश का हिस्सा बन गई।

भारत ऑरिजिन की नहीं है, देश का हिस्सा बनी ये चीजें

समोसा

यह ट्रायंगल तो सारे बच्चों का प्यारा है या यूं कहें कि बड़ों के मुंह में भी इसको देखकर पानी आ जाता है। क्या तुम्हें पता है कि समोसा भारत की उपज नहीं है। प्राचीन काल में सेंट्रल एशिया के जिन रास्तों से व्यापार हुआ करता था वहां से होता हुआ यह भारत पहुंचा। दरअसल इस ट्रायंगल स्नैक्स को बनाना सबसे आसान होता है और रात को मुसाफिर जब रास्तों में हॉल्ट करते हुए आते थे तो समोसों को कैंपफायर के आस-पास भी तैयार कर लिया करते थे।

आलू

सब्जियों का राजा माना जाने वाला आलू सब्जियों में बच्चों की पहली पसंद है। इसके बिना तो सब्जी या किसी स्नैक की कल्पना करना ही थोड़ा मुश्किल लगता है! लेकिन क्या तुम्हें पता है कि आलू मात्र चार सौ साल पहले ही हमारे देश में आया और यहां तक कि टमाटर का इस्तेमाल भी देश में पहली बार 19वीं शताब्दी में किया गया था।

क्रिकेट

इंग्लैंड में जन्मा यह खेल आज भारत में गली-गली का खेला जाता है। यहां तक कि आईसीसी की इनकम में भारत की कमाई की भागीदारी 70 से 80 प्रतिशत तक है। देश में क्रिकेट सबसे पॉपुलर खेलों में से एक है।

राजमा

पंजाबी डिशेज की लिस्ट राजमा के बिना अधूरी मानी जाती है। बड़े चाव से राजमा, चावल खाने वालों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अपने देश में नहीं बल्कि कोलोनियल अमेरिका में पैदा हुआ है। किडनी बीन्स यानी राजमा को 8000 साल पहले ऐंडियन किसानों ने लुसियाना में उपजाया था।

हैंड नीटिंग

सर्दियों के मौसम में अपने घरों में भी तुमने मम्मी या दादी, नानी को हाथों से बुनाई करते हुए देखा होगा। जो कई तरह के स्वेटर तुम्हारे लिए तैयार करती होंगी। तुम्हें लगता होगा कि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी देश में आगे बढ़ी होगी लेकिन ऐसा नहीं है, क्योंकि हाथों से बुनाई का काम अपने देश की कला नहीं बल्कि इजिप्ट से यहां आया था।

सिल्क

तुम्हारी मम्मी के पास भी सिल्क की साड़ियां जरूर होंगी? क्या तुम्हें पता है कि यह सिल्क हमारे देश की नहीं है, बल्कि कई सदियों पहले चीन के व्यापारी इसे यहां लाए थे। हमारे यहां मिलने वाले सिल्क वॉर्म वही पहले चाइनीज पेयर थे जिनसे सिल्कवॉर्म की संख्या बढ़ाई गई।

पतंग

दो हजार साल पहले पतंगों को चीन में तैयार किया गया था। अब तो भारत में गांव के बच्चों के खेल का यह हिस्सा बन गया है तो शहरों में व्रत-त्योहार के मौके पर लोग रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं।

चाय

सुबह की शुरुआत तुम्हारे घर में भी चाय की चुस्कियों के साथ होती होगी। लेकिन देश का मुख्य पेय चाय भी चीन से यहां पहुंचा है।

कागज पर उतारो पत्तियां

आजकल वॉटर कलर डेकोरेशन और डिजाइन में इस्तेमाल हो रहा है लेकिन हम इस वॉटरकलर को पत्तियां बनाने के लिए प्रयोग करेंगे। इससे तैयार पत्तियां एक बेहतरीन आर्ट वर्क की तरह नजर आती हैं।

किन चीजों की होगी जरूरत

- वॉटरकलर सेट
- विभिन्न प्रकार के वॉटर कलर ब्रशेस
- गार्डन से तोड़ी हुई अलग-अलग प्रकार की पत्तियां

बनाओ कलर पैलेट

सबसे पहले तो अपना एक कलर पैलेट तैयार करो और उसकी टेस्टिंग पेपर के अलग-अलग टुकड़ों पर करो। जब तक तुमको अपना पसंदीदा शेड ना मिल जाए तब तक पैलेट तैयार करते रहो ताकि जब तुम पत्तियों को उससे ड्रॉ करो तो वो बिल्कुल असली नजर आएं।

कौन-कौन से कलर

परमानेंट सैप ग्रीन, ग्रीन ब्लू शेड, रॉ एंबर, ब्लू ग्रीन, बरन्ट सिएना। बाकी शेड अन्य कलर्स के मिक्सचर से तैयार किए जा सकते हैं।

डूडलिंग करना तो हर किसी को भाता है लेकिन क्या कभी सीरियस पेंटिंग के बारे सोचा है। अरे तुम्हें पेंटर बनाने की बात नहीं कर रहे, यदि तुम्हें भी रंगों से प्यार है और कुछ न कुछ बनाते रहना तुम्हारी हॉबी है तो क्यों ना कुछ क्रिएटिव किया जाए। आओ मिलकर वॉटर कलर के जरिए लीविंग लीव्स को कागज पर उतारें, सोच में पड़ गए! चलो इसे करके देखते हैं।

इस तरह दो अपनी पत्तियों को आकार

- सबसे पहले लाइट स्केच तैयार करो और फिर इसे भीगे ब्रश से अंदर की ओर भरो। इससे तुम्हें कलर के फर्स्ट लेयर को फैलाने में मदद मिलेगी।
- तुमने ग्रीन का जो शेड तैयार किया है उसका सबसे हल्का शेड प्रयोग करो।
- पहली लेयर के सूख जाने के बाद दूसरी लेयर बनाओ जो सबसे हल्के शेड की हो। अब डार्क शेड की दूसरी लेयर लगाओ और उसे फिर सूखने दो।
- पेपर को थोड़ा तिरछा कर दो और पेंट को पेंट की हुई पत्ती के टिप तक पहुंचने दो। इसके सूख जाने के बाद ग्रीन की एक और लेयर इस पर लगाओ।
- वॉटर कलर में यह चीज स्पष्ट नजर आती है इसमें जितने लेयर्स में कलर लगाए जाते हैं इमेज उतनी ही क्लियर नजर आने लगती है।
- अपने ब्रश को पानी में डुबाकर उसे पत्ती के ऊपर फिराओ। जब यह हल्का गीला रहे तो उसके ऊपर रॉ एंबर कलर का हल्का शेड पत्ती के लाइट साइड पर लगाओ।
- कलर जब हल्के गीले हों तो अपने ब्रश पर बरन्ट सिएना कलर को पत्ती के ऊपर टपकाओ। तुम देखोगे कि कलर्स एक-दूसरे पर चढ़े हुए नजर आएंगे।
- अब पत्ती के अलग-अलग हिस्से पर कलर टपकाओ।
- भीगे हुए पतले ब्रश से पत्ती पर वेन्स बनाओ और साथ ही पत्तियों की डिटेल उस पर ड्रॉ करो।
- ऐसा तुम कई पत्तियों के साथ कर सकते हो।

कैसे बनते हैं स्नोफ्लैक्स?

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता हो..सफेद। इन्हें कहते हैं स्नोफ्लेक्स।

उन जगहों पर जहां चारों ओर बर्फ की चादर बिछी हो और हर तरफ सिर्फ एक ही रंग नजर आता होश्फेद। इस बीच कहीं-कहीं कुदरत की ऐसी कलाकारी नजर आती है कि उसे कैमरे में कैद किए बिना नहीं रहा जा सकता। ये हैं स्नोफ्लेक्स या बर्फ की पपड़ी। स्नोफ्लैक्स की सबसे अनोखी बात ये है कि इनमें से किसी का भी आकार एक-दूसरे से मेल नहीं खाता है। हरेक आकृति यूनिक होती है। इनको देखकर ऐसा जान पड़ता है कि किसी ने क्रिस्टल के जरिए सुंदर आकृति तैयार की है लेकिन ये तो प्रकृति की कारीगरी है। इनके यूनीक शेप के कारण ही दुनियाभर के फोटोग्राफर्स बेस्ट स्नोफ्लैक्स की तस्वीरें लेने की तैयारी में रहते हैं।

कुदरत की कारीगरी

स्नोफ्लैक्स बनने की शुरुआत छोटे-छोटे डस्ट पार्टिकल्स या पॉलेन पार्टिकल्स के वॉटर वेपर के संपर्क में आने से होती है। ये वॉटर वेपर इन पार्टिकल्स के ऊपर इकठ्ठी हो जाती हैं और जब ठंडे वातावरण में ये जमती हैं तो छोटे-छोटे आइस क्रिस्टल जैसे नजर आने लगते हैं। ये छोटे-छोटे क्रिस्टल सीड्स की तरह होते हैं जिनसे स्नोफ्लैक्स का जन्म होता है। तुम्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि ये छोटे आइस क्रिस्टल नेचुरली अरेंज होकर हेक्सागोनल यानी सिक्स साइडेड स्ट्रक्चर बना लेते हैं। इस तरह के सिक्स साइडेड आइस क्रिस्टल ही 'स्नोफ्लैक्स'' कहलाते हैं। चूंकि स्नोफ्लैक्स के आस-पास की हवा से ये अधिक वजनदार होते हैं इसलिए कुछ समय में अपने-आप गिरना भी शुरू हो जाते हैं।

हर स्नोफ्लै है डिफरेंट

यूं सारे स्नोफ्लैक्स हेक्सागॉनल होते हैं लेकिन इनकी जियोमैट्री अलग-अलग होती है। डिफरेंट टेम्परेचर और हयूमिड कंडीशन से होकर जब स्नोफ्लैक्स नीचे गिरते हैं तो उनके शेप भी डिफरेंट हो जाते हैं। किसी में नुकीले आरम्स निकले रहते हैं तो किसी में बहुत ही चौड़े। स्नोफ्लैक्स का निर्माण पृथ्वी पर काफी ऊंचाई पर होता है इसलिए जमीन पर इसका स्नो के रूप में नीचे गिरना हर बार हो ऐसा नहीं है। यह तभी हो सकता है जब हवा का टेम्परेचर फ्रीजिंग से कम हो।

केक की टॉपिंग पर स्नोफ्लैक्स

स्नोफ्लैक्स के अलग-अलग मजेदार शेप्स के कारण कई पार्टीज का इसे हिस्सा बनाया जा रहा है, वो भी केक को सजाने के लिए। अब तो स्नोफ्लैक्स के शेप को आर्टिफिशियल रूप से तैयार किया जाने लगा है। लोग अपनी पसंद के अनुसार डिफरेंट शेप वाले स्नोफ्लैक्स से भरी बोटल खरीदते हैं और केक को और भी मजेदार ढंग से प्रेजेंट करते हैं।

तीन सेर चावल

पुराने जमाने की बात है। किसी गांव में मोहन नाम का एक लड़का रहता था। वह बहुत शैतान था। हर दिन उसकी शिकायतें उसके माता-पिता को सुनने को मिलतीं।

पिता ने मोहन को विद्यालय भेज दिया, लेकिन उसकी शरारतों से शिक्षक भी बहुत दुखी हो गए। उस पर अपने शिक्षक की बातों का भी कोई असर नहीं होता था।

मोहन कई बार बच्चों की सीट के नीचे चींटियां छोड़ देता, जिससे वे ठीक से पढ़ न पाते। बच्चे उसके डर से उसकी शरारतों के बारे में अपने शिक्षकों से भी शिकायत न करते। एक दिन तंग आकर मास्टरजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया।

उस जमाने में जंगल अधिक थे। चारों ओर पेड़-पौधों की भरमार थी। अब मोहन जंगल में जाकर पेड़-पौधों का ध्यान करता, पानी देकर सींचता। घर में उसका मन नहीं लगता था। उसकी चिंता में मां परेशान रहतीं।

मोहन के गांव में एक बूढ़ा आदमी भीख मांगने आता था। वह उसे भी बहुत तंग करता। कभी उसका थैला छीनकर उसमें रखी रोटी निकालकर जानवरों को खिला देता, तो कभी बूढ़े पर पानी डाल देता। लेकिन बूढ़ा उसके गांव में जरूर आता। लोग उससे पूछते कि इतना तंग होने के बाद भी वह इस गांव में भीख मांगने क्यों आता है? वह सबको एक ही उत्तर देता, मोहन बच्चा है। बच्चे शरारत नहीं करेंगे, तो क्या हम बड़े लोग करेंगे? उसकी बात सुनकर लोग चुप हो जाते।

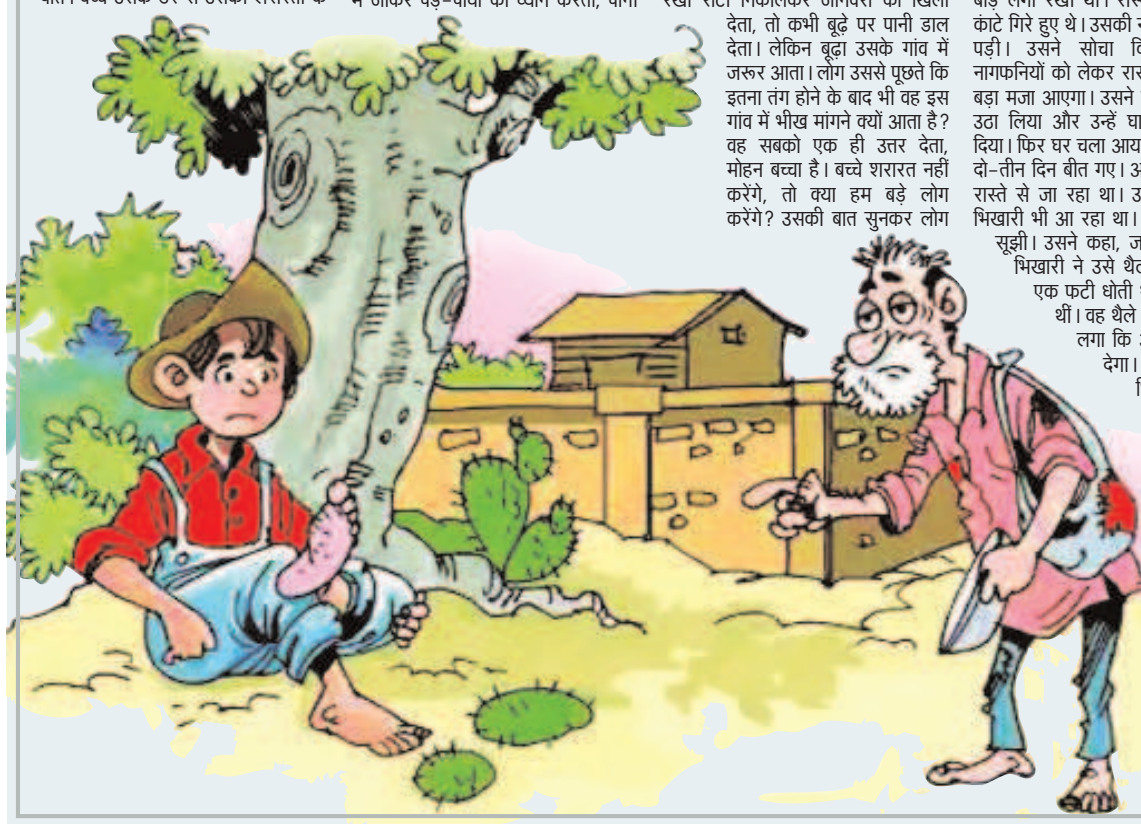

इस प्रकार कई महीने बीत गए। एक दिन मोहन किसी गांव से आ रहा था। उसे घर पहुंचने की जल्दी थी। किसी किसान ने अपनी फसल की रक्षा के लिए नागफनी की बाड़ लगा रखी थी। रास्ते में नागफनी के कांटे गिरे हुए थे। उसकी नजर उन कांटों पर पड़ी। उसने सोचा कि वह एक-दो नागफनियों को लेकर रास्ते पर डाल दे, तो बड़ा मजा आएगा। उसने दो नागफनियों को उठा लिया और उन्हें घास के नीचे छिपा दिया। फिर घर चला आया।

दो-तीन दिन बीत गए। आज वह स्वयं उसी रास्ते से जा रहा था। उसी रास्ते से बूढ़ा भिखारी भी आ रहा था। मोहन को शरारत सूझी। उसने कहा, जरा थैला दिखाना। भिखारी ने उसे थैला दे दिया। उसमें एक फटी धोती थी। दो रोटियां भी थीं। वह थैले को लेकर उछालने लगा कि अब वह थैला नहीं देगा।

भिखारी उसके करीब आता, तो वह दौड़कर थोड़ी दूर भाग जाता।

इसी भाग-दौड़ में अचानक सूखी नागफनी पर मोहन का पांव पड़ गया। उसके पूरे तलवे में कांटे चुभ गए। वह अचानक एक ओर लुढ़क गया। थैला उसके हाथ से छूट गया। भिखारी मोहन के पास आया। वहां उसने अपनी लाठी से घास हटाई, तो उसे एक और नागफनी नजर आई। उसने उसे भी डंडे से दूर हटा दिया और मोहन के पास बैठकर पांव से कांटे निकालने लगा।

भिखारी ने मोहन के पांव से काफी कांटे निकाल दिए। फिर भी कुछ कांटे उसके पांव में चुभे ही रह गए। भिखारी ने उसे सहारा देकर खड़ा किया। मोहन ने कहा, मैं घर नहीं जाऊंगा। छाया में बैठकर तलवे के सारे कांटे निकालूंगा, तब घर लौटूंगा।

भिखारी ने कहा, यदि तुम मेरी झोंपड़ी तक चलो, तो मैं तलवे के सारे कांटे निकाल दूंगा। ऐसा लेप लगा दूंगा कि तुम्हारा पांव जल्दी ठीक हो जाएगा। मोहन तैयार हो गया।

भिखारी उसे अपने कंधे का सहारा देकर, झोंपड़ी तक ले आया। फर्श पर एक फटी-पुरानी दरी और कंबल का टुकड़ा बिछा हुआ था। उसी पर उसने मोहन को लिटाया। पानी गरम कर उसका पांव धोया। फिर कांटे निकालकर पैर पर जड़ी-बूटी का लेप कर दिया। मोहन को लेप से बहुत राहत मिली और वह सो गया।

भिखारी ने अपने थैले से भीख में मिले चावल निकाले और खिचड़ी बनाई। फिर गांव जाकर दूध ले आया। उसने मोहन को खिचड़ी खिलाकर पीने के लिए दूध गरम करके दिया। मोहन को अब उस भिखारी को बुड्ढा कहने में शर्म आई। उसने भिखारी को 'दादा' कहकर पुकारा। दादा शब्द सुनकर भिखारी की आंखों से आंसू झरने लगे। मोहन ने चकित होकर पूछा, तुम रो क्यों रहे हो?

नहीं बेटा, कोई बात नहीं है। मैं तीस वर्षों से यहां अकेला पड़ा हूं। तुमने मुझे दादा कहा, तो मेरा दिल भर आया। भिखारी बोला।

नहीं दादा, अब तुम्हें भीख मांगने की जरूरत नहीं होगी। मैं तुम्हें खिलाऊंगा। मोहन बोला।

भिखारी हंसकर चुप हो गया। शाम होने जा रही थी। भिखारी ने उसके पांव का लेप गरम पानी से धो दिया। अब उसके पांव में एक भी कांटा नहीं था। इसके बाद भिखारी उसे गांव तक छोड़ने आया। मोहन दौड़कर घर गया और रोटी तथा सब्जी लेकर आया। कहा, दादा, इसे रात में खाना। मैं कल सुबह आऊंगा।

भिखारी घर लौट आया। वह सोच रहा था कि मोहन कितना अच्छा लड़का है।

मोहन दूसरे दिन उठा और एक किसान से बोला, यदि आपको मजदूर की जरूरत हो, तो मैं काम करने के लिए तैयार हूं। किसान को एक मजदूर की जरूरत तो थी, मगर वह मोहन को एक शरारती बच्चे के रूप में जानता था। वह मोहन से बोला, तुम्हें शरारत से फुरसत मिलेगी, तभी तो काम करोगे। मुझसे आज काम लेकर देखो चाचा, तब पता चलेगा।

ठीक है, चलो काम करो। किसान बोला।

मोहन ने दिन भर मेहनत से काम किया। बदले हुए मोहन को देखकर किसान बहुत चकित था। उसने मोहन को तीन सेर चावल मजदूरी में दिए।

मोहन चावल लेकर भिखारी की झोंपड़ी में जा पहुंचा। भिखारी खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। उसने जब चावल देखे, तो बोला, मोहन बेटा! ये ले जाकर अपनी मां को दो। मेरा गुजारा तो भगवान चला ही रहा है।

नहीं दादा! ये चावल तुम रखो। ये मैंने दिन भर मजदूरी करके कमाए हैं। तुम नहीं रखोगे, तो मैं कल से मजदूरी नहीं करूंगा और शरारतें करने लगूंगा।

उस दिन से मोहन बहुत बदल गया। अब वह हर एक की मदद करने की कोशिश करता। गांव के सब लोग उसकी खूब तारीफ करते।

पहले दिन मात्र 1 फ़ीसदी आवेदन मिले अडानी इंटरप्राइजेज के एफपीओ को

मुंबई । शेयर बाजार के इतिहास में पहली बार कोई भी एफपीओ ऐसा नहीं पिटा होगा जैसा अडानी इंटरप्राइजेज का एफपीओ पिटा है। पहले दिन मात्र 1 फ़ीसदी आवेदन प्राप्त हुए। स्टॉक एक्सचेंजो से प्राप्त जानकारी के अनुसार 14908 करोड रूपये के शेयर बिक्री के लिए उपलब्ध थे। पहले दिन मात्र 150 करोड रुपए मूल्य के शेयरों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। इस शेयर की प्रीमियम प्राइस 3112 से 3276 रूपये के बीच रखी गई थी। लेकिन पहले ही दिन 2769 रूपये प्रति शेयर के मूल्य पर आवेदन प्राप्त हुए। अडानी इंटरप्राइजेज का शेयर धड़ाम हो जाने पर सारी दुनिया में इसे आश्चर्य के रूप में देखा जा रहा है। बाजार में जब कम कीमत पर शेयर आसानी से उपलब्ध हों। ऐसी स्थिति में एफपीओ के जरिए शेयर कोई आदमी क्यों खरीदेगा। अडानी समूह की कंपनियों के बारे में हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद जबरदस्त बिकवाली के कारण अडानी इंटरप्राइजेज का एफपीओ बुरी तरह धड़ाम से गिर गया है। 2040 करोड़ रुपए के शेयर बैंक सिक्योरिटीज ही खरीद रही है। शेयर बाजार में जिस तरह से एफपीओ पहले ही चरण में फेल हो गया है। उसके बाद अडानी इंटरप्राइजेज की मुसीबत बढ़ेगी। सिक्योरिटीज के रूप में जिन वित्तीय संस्थानों और बैंकों ने शेयर खरीदे हैं।उनके ऊपर भी प्रश्न चिन्ह लगाए जा रहे हैं। उन्होंने हिडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद क्यों निवेश किया।

चीन ताइवान से आयातित विनाइल टाइल्स पर लग सकता है डंपिंग-रोधी शुल्क

नई दिल्ली । सरकार ने घरेलू टाइल्स उद्योग को संरक्षण देने के लिए चीन एवं ताइवान से आयात किए जाने वाले सस्ते विनाइल टाइल्स पर पांच साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। वो णिज्य मंत्रालय के तहत गठित व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने अपनी अनुशंसा में कहा है कि चीन एवं ताइवान से आयात किए जाने वाले विनाइल टाइल्स पर शुल्क लगाया जाए। महानिदेशालय ने अपनी जांच में पाया है कि इन देशों से भारत में विनाइल टाइल्स को बेहद सस्ती दरों पर निर्यात किया जा रहा है। इसका प्रतिकूल असर घरेलू टाइल्स उद्योग पर पड़ रहा है। डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा है कि इन देशों से टाइल्स के आयात पर पांच साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। विनाइल टाइल्स का इस्तेमाल घरों एवं वाणिज्यिक इमारतों में फ्लोरिंग के लिए किया जाता है। यह देखने में प्राकृतिक लगती हैं लेकिन यह असल में पीवीसी से बनी होती हैं। चीन एवं ताइवान से सस्ती विनाइल टाइल्स के आयात की शिकायत वेलस्पन फ्लोरिंग लिमिटेड और वेलस्पन इंडिया लिमिटेड ने की थी। डीजीटीआर ने अपनी जांच में इस शिकायत को सही पाया है। महानिदेशालय ने इसके आयात पर 2.05 डॉलर प्रति वर्ग मीटर और 1.44 डॉलर प्रति वर्ग मीटर की दर से शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में 92.3 करोड़ डॉलर की गिरावट

इस्लामाबाद । स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने कहा कि पिछले सप्ताह उसके विदेशी मुद्रा भंडार में 92.3 करोड़ डॉलर की कमी आई है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि 20 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान पाकिस्तानी केंद्रीय बैंक का कुल विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर लगभग 3.67 अरब डॉलर हो गया। यह कमी बाहरी कर्ज चुकाने के कारण थी। इसमें कहा गया है कि कमर्शियल बैंकों के पास शुद्ध विदेशी मुद्रा भंडार 5.77 अरब डॉलर रहा। एसबीपी के अनुसार दक्षिण एशियाई देश द्वारा आयोजित कुल लिक्विड विदेशी भंडार लगभग 9.45 अरब डॉलर था।

इलेक्ट्रिक प्रोडक्ट में 4000 करोड़ का निवेश करेगी हुंडई

-कंपनी 6 नई कारें करेगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

हुंडई कंपनी अपने इलेक्ट्रिक प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के लिए 4000 करोड़ रुपये के निवेश करने जा रही है। कंपनी एसयूवी सहित विभिन्न बॉडी स्टाइल में 6 नए बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) लाएंगे। एचएमआईएल में सेल्स चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर तरुण गर्ग ने कहा कि हुंडई भारत में 6 नई इलेक्ट्रिक व्हीकल लाने की तैयारी कर रही है।कंपनी ने हाल ही में भारत में अपनी दूसरी इलेक्ट्रिक कार -हुंडई आयोनिक 5 पेश की थी । इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर की कीमत 44.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। इसमें 72.6 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक और 217बीएचपी इलेक्ट्रिक मोटर है। आयोनिक 5 एक फुल चार्ज पर 631केएम की अराई-सर्टिफाइड रेंज का वादा करता है। यह सुपरफास्ट 800वी चार्जिंग को सपोर्ट करता है जो केवल 18 मिनट में बैटरी पैक को 10 से 80 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है।बड़े पैमाने पर बाजार को टारगेट करने के उद्देश्य से हुंडई इंडिया अपने 'स्मार्ट ईवी' प्रोजेक्ट के तहत कम लागत वाली इलेक्ट्रिक मिनी एसयूवी लाएगी। मॉडल जिसे विशेष रूप से विकासशील बाजारों के लिए डिज़ाइन किया जाएगा की कीमत 10 लाख रुपये से कम होने की उम्मीद है। सस्ती हुंडई ईवी के लगभग 200 किमी की रेंज देने की संभावना है। रिपोर्ट्स की मानें तो हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक पर काम चल रहा है और इसे ऑटो एक्सपो 2025 में पेश किया जा सकता है। 2023 ऑटो एक्सपो में दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता ने हुंडई आयोनिक 6 इलेक्ट्रिक सेडान का भी प्रदर्शन किया। फिलहाल इसके भारत में लॉन्च होने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है।हुंडई का चेन्नई स्थित प्लांट क्रेटा ईवी का प्रोडक्शन हब हो सकता है। कार निर्माता का इलेक्ट्रिक एसयूवी के लिए प्रति वर्ष 20000 - 25000 यूनिट्स के सेल्स टारगेट अचीव करने का लक्ष्य है।

गोएयर पर 10 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नियमों के उल्लंघन के लिए एयरलाइंस कंपनी गोएयर पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। 9 जनवरी को बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली गो एयर की एक फ्लाइट ने बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 55 यात्रियों को छोड़कर उड़ान भरी थी। विमानन नियामक ने गोफर्स्ट के जवाबदेह मैनेजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया था जिसमें पूछा गया था कि उनके नियामक दायित्वों की अवहेलना के लिए उनके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए? अधिकारियों ने कहा कि गोफर्स्ट ने नोटिस का जवाब 25 जनवरी को सौंप दिया था। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि गो फर्स्ट के जवाब से पता चलता है कि टर्मिनल समन्वयक वाणिज्यिक कर्मचारियों और चालक दल के बीच विमान में यात्रियों के बोर्डिंग के संबंध में अनुचित संचार और समन्वय था। अधिकारी ने कहा कि जांच में साफ हुआ है कि एयरलाइन ग्राउंड हैंडलिंग लोड और ट्रिम शीट तैयार करने फ्लाइट डिस्पैच और पैसेंजर कार्गो हैंडलिंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने में विफल रही है। इस सबको देखते हुए कंपनी पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ा

नई दिल्ली । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 जनवरी को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान 1.727 अरब डॉलर बढ़कर 573.727 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के मुतो बिक यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी आई है। पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 10.417 अरब डॉलर बढ़कर 572 अरब डॉलर हो गया था। गौरतलब है कि अक्टूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सार्वजे निक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट आई थी। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट यानी एफसीए 20 जनवरी को समाप्त हुए सप्ताह में 83.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 506.358 अरब डॉलर पर पहुंच गई। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। इसके अलावा गोल्ड रिजर्व का मूल्य रिपोर्टिंग वीक में 82.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 43.712 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार स्पेशल ड्राइंग राइट 6.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.432 अरब डॉलर हो गया। समाप्त हुए सप्ताह में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार 10 लाख डॉलर घटकर 5.226 अरब डॉलर रह गया।

फ्लिपकार्ट भारतीय कारीगरो को सपोर्ट करने 74वे प्रजासत्ताक दिन पर क्राफ्टेड बाय भारतकी चोथी एडिशन का आयोजन

बेग्लुरु । मेड-इन-इंडिया ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज भारत के 74वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में इस साल 26-27 जनवरी तक फ्लिपकार्ट संचालित च्क्राफ्टेड बाय भारतज् इवेंट के चौथे संस्करण की घोषणा की। यह कार्यक्रम देश भर में 300 से अधिक कला रूपों से 100,000 से अधिक उत्पादों का प्रदर्शन करके भारत की हस्तशिल्प और हस्तशिल्प की समृद्ध संस्कृति का जश्न मनाएगा।

'क्राफ्टेड बाय इंडिया' का उद्देश्य भारतीय कारीगरों और बुनकरों को पहचानने और उनके सराहनीय शिल्प कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है जिसने हमारे देश की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखा है। इस घटना के हिस्से के रूप में उपलब्ध उत्पाद कला और इतिहास दोनों का उदाहरण देते हैं, और उन कलाकारों का समर्थन करते हैं जो अपने उत्पादों को बेचकर जीविकोपार्जन करते हैं। फ्लिपकार्ट के पास इवेंट के लिए प्लेटफॉर्म पर एक समर्पित स्टोरफ्रंट भी होगा, जिसके तहत महिला विक्रेताओं की विशिष्टता का सम्मान करने के लिए महिला विक्रेताओं के उत्पादों को विशेष रूप से हाइलाइट किया जाएगा।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के हिस्से के रूप में, यह आयोजन लोगों को राज-स्थानी कारीगरों द्वारा श्रमसाध्य रूप से तैयार किए गए 'राजस्थानी फर्नीचर', 'डोकरा कला' जैसी कला के करीब लाएगा, जो आदिवासी समुदाय और उनकी गहरी मान्यताओं और मूल्यों का प्रतीक है। कला का पवित्र रूप। , 'बांस के आभूषण' जो प्रकृति और कला का एक अनूठा मिश्रण है, 'तांत साड़ी' जो पश्चिम बंगाल की प्राचीन शिल्प परंपरा और समृद्ध फैशन का प्रतिनिधित्व करती है, 'खादी' और 'कलमकारी' जो भारत और इसकी कला का प्रतिनिधित्व करती है इसकी जड़ों में रहता है।

फ्लिपकार्ट समर्थ कार्यक्रम से जुड़े लाखों कारीगर, बुनकर, दिव्यांग, स्वयं सहायता समूहों और सरकारी एम्पोरियम की महिलाएं इस कार्यक्रम में भाग लेंगी। इसमें दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों, कुछ शहरी केंद्रों के साथ-साथ देश के ग्रामीण इलाकों के लोग भी शामिल हैं। देश भर के अन्य स्थानीय व्यवसायों के बीच विभिन्न सरकारी और निजी ब्रांड इस आयोजन का हिस्सा बननेवाली हैं।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, "फ्लिपकार्ट की 'समर्थ' पहल भारत के कारीगरों, बुनकरों और हस्तशिल्प उत्पादकों को भारत भर के उपभोक्ताओं तक पहुंचने और उनकी आय बढ़ाने में मदद करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। 2019 में 'समर्थ' के लॉन्च के बाद से, हमने 15 लाख से अधिक विक्रेताओं, बुनकरों और कारीगरों को

सशक्त बनाया है और पारंपरिक भारतीय कला और शिल्प में हमारे योगदान पर गर्व है। हम विकास, लचीलापन, डिजिटल परिवर्तन और समृद्धि के लिए ऑनलाइन माध्यम का लाभ उठाने के लिए स्वदेशी और कम सेवा वाले व्यवसायों के लिए अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'क्राफ्टेड बाय इंडिया' कार्यक्रम छोटे उद्यमों और कारीगरों को उनके अपने समुदायों से परे पहचान दिलाने, राष्ट्रव्यापी बाजार तक पहुंचने और बड़ी अर्थव्यवस्था में योगदान करने में सक्षम बनाता है। हमारा निरंतर प्रयास उपभोक्ताओं को भारत की समृद्ध विरासत के करीब लाना और भारत के कारीगरों और बुनकरों की उद्यमशीलता की यात्रा का समर्थन करना है।

आपको क्यों मल्टी एसेट फंड चुनना चाहिए? : कुणाल शाह, पार्टनर, प्लानवे कैपिटल

एक बहु-परिसंपत्ति (मल्टी-एसेट) श्रेणी म्यूचुअल फंड एक प्रकार का हाइब्रिड म्यूचुअल फंड है, जो एक समाधान-आधारित वित्तीय उत्पाद है। सेबी स्कीम कैटेगरी के अनुसार, इस तरह के फंड को किसी भी समय तीन या अधिक संपत्ति वर्गों में न्यूनतम 10त्न निवेश करना होता है। वास्तव में, एक बहु-परिसंपत्ति योजना एक ही पोर्टफोलियो में तीन से अधिक परिसंपत्ति वर्गों के संयोजन की पेशकश करती है। परिसंपत्ति वर्ग आमतौर पर इक्विटी, डेट, सोना, इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) हो सकते हैं।

इन परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करके, इस तरह के फंड का उद्देश्य संपत्ति से संबंधित जोखिमों को विवेकपूर्ण ढंग से प्रबंधित करके मजबूत और कम अस्थिर दीर्घकालिक रिटर्न प्रदान करना है। इसके अलावा, एक निवेशक परिसंपत्ति आवंटन के बारे में निश्चिंत हो सकता है क्योंकि फंड एक ही फंड के माध्यम से विभिन्न प्रकार के परिसंपत्ति वर्गों में निवेश प्रदान करता है। वास्तव में एक विविध योजना, लंबी अवधि में जबरदस्त रिटर्न देने के लक्ष्य के साथ फंड मैनेजर के पास बाजार पूंजीकरण और क्षेत्रों में निवेश करने का लचीलापन देता है।

इक्विटी की उपस्थिति धन सृजन सुनिश्चित करती है जबकि डेट स्थिर रिटर्न के साथ-साथ नकारात्मक स्थिति में सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा, सोना अनिश्चित समय के दौरान अन्य परिसंपत्ति वर्गों में महंगाई और अस्थिरता के खिलाफ बचाव प्रदान करता है। इस तरह, एक निवेशक को मौजूद प्रत्येक परिसंपत्ति वर्ग के अवसरों से लाभ मिलता है। फंड की प्रकृति को देखते हुए, एक निवेशक इस श्रेणी के फंड को पोर्टफोलियो के मुख्य भाग के रूप में रखने पर विचार कर सकता है।

इस श्रेणी के प्रमुख फंडों में से एक आईसीआईसीआई फ्लेक्सिबल मल्टी-एसेट फंड है। अपने इक्विटी आवंटन के लिए, फंड को काउंटर साइक्लिकल अप्रोच का पालन करने के लिए जाना जाता है और प्रचलित बाजार मूल्यांकन के आधार पर शुद्ध इक्विटी स्तर 10-80त्न की सीमा में हो सकता है। इसके अलावा, फंड कवर्ड कॉल ऑप्शन स्ट्रैटेजी का भी उपयोग करता है, जिसने अब तक फंड को विशेषकर रेंज बाउंड मार्केट में रिटर्न हासिल करने में मदद की है। कुल मिलाकर कहें तो यदि आप एक निवेशक हैं जो इस बारे में अनिश्चित हैं कि संपत्ति आवंटन कैसे किया जाए तो यह कैटेगरी फंड आपके पोर्टफोलियो के लिए एकदम उचित विकल्प है।

एप्पल ने कुछ समय के लिए रोका अपनी वाईफाई चिप पर काम

सैन फ्रांसिस्को ।

टेक दिग्गज एप्पल ने कथित तौर पर अपने इन-हाउस वाई-फाई चिप के विकास को कुछ समय के लिए रोक दिया है। विश्लेषक मिंग-ची कुओ ने ब्लॉगपोस्ट में लिखा कि कई निवेशक इस बात से चिंतित हैं कि टेक दिग्गज की अपनी वाई-फाई चिप विकसित करने की कोशिश ब्रॉडकॉम के वाई-फाई चिप व्यवसाय पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। वाई-फाई समाधान के लिए आईफोन निर्माता का पिछला विकास केवल वाई-फाई चिप था न कि वाई-फाई प्लस ब्लूटूथ कॉम्बो चिप। डिजाइन के नजरिए से वाई-फाई-ओनली चिप बनाने की तुलना में वाई-फाई प्लस ब्लूटूथ कॉम्बिनेशन चिप बनाना ज्यादा मुश्किल है। नतीजतन टेक दिग्गज के लिए ब्रॉडकॉम के कॉम्बो चिप्स को अपने साथ बदलना मुश्किल होगा क्योंकि एप्पल के अधिकांश प्रोडक्ट कॉम्बो चिप का इस्तेमाल करते हैं। कुओ ने कहा प्रोसेसर अपग्रेड की मंदी अंतिम उत्पादों (जैसे ए16 और एम2 सीरीज चिप्स) की बिक्री के प्रतिकूल है। कूओ के अनुसार कंपनी ने प्रोसेसर के विकास पर अपने अधिकांश एकीकृत सर्किट (आईसी) डिजाइन संसाधनों पर ध्यान केंद्रित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दुनिया के सबसे उन्नत 3एनएम प्रोसेसर 2023-2025 में बड़े पैमाने पर उत्पादन में आसानी से प्रवेश कर सकें और प्रदर्शन उन्नयन और बिजली की खपत में काफी सुधार हो सके।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी गिरावट रही

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने दो हफ्ते की बढ़त के सिलसिले को तोड़ दिया। शेयर बाजार में 27 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। हफ्ते की मजबूत शुरुआत के बाद एफआईआई द्वारा जारी बिकवाली के बीच बाजार में मुनाफावसूली देखने को मिली। इसने बेहतर तिमाही नतीजों को भी अनदेखा कर दिया। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि अडाणी समूह की कंपनियों और बैंक एवं वित्तीय शेयरों में भारी बिकवाली के साथ विदेशी निवेशकों की निकासी जारी रहने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में जोरदार गिरावट दर्ज की गई। बीते सप्ताह शेयर बाजार में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ क्योंकि गुरुवार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहा। बीते सप्ताह के चार कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 254 अंक उछल कर 60876 पर खुला और 319.90 अंकों की मजबूती साथ 60941.पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला निफ्टी 90 अंकों की तेजी के साथ 18118 पर खुला और 90.90 अंकों की बढ़त के साथ 18118.55 पर बंद हुआ।

मंगलवार को सेंसेक्स 180 अंकों की मजबूती के साथ 61122 पर खुला और 37.08 अंकों की बढ़त के साथ 60978.75 पर बंद हुआ। निफ्टी 65 अंक मजबूत होकर 18184 पर खुला और 88 अंकों की गिरावट के साथ 42733 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 144 अंक फिसलकर कर 60834 पर खुला और 773 अंक फिसल कर 60205 पर बंद हुआ। निफ्टी 25 अंकों की गिरावट के साथ 18093 पर खुला और 226 अंक टूटकर 17891 अंकों पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 647.78 अंकों की गिरावट के साथ 58557.28 पर खुला और 874.16 अंक (1.45 फीसदी) टूटकर 59330.90 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 148 अंक टूट कर 17743.95 पर खुला और 287.60 अंक (1.61 फीसदी) ढ़ककर 18000 से नीचे पहुंचकर 17604.35 पर बंद हुआ।

एफसीआई एक फरवरी से 25 लाख टन गेहूं की ई-नीलामी करेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने कहा कि वह आगामी एक फरवरी से 2350 रुपए प्रति क्विंटल के आरक्षित मूल्य और ढुलाई लागत के साथ साप्ताहिक ई-नीलामी शुरू करेगा। इसके तहत एफसीआई थोक उपभोक्ताओं को 25 लाख टन गेहूं बेचने की योजना बना रहा है। सरकार ने गेहूं और गेहूं के आटे की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए खुली बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत अपने बफर स्टॉक से 30 लाख टन गेहूं खुले बाजार में बेचने की योजना की घोषणा की। एफसीआई इस 30 लाख टन में से ई-नीलामी के माध्यम से आटा चक्की जैसे थोक उपभोक्ताओं को 25 लाख टन गेहूं बेचेगा। वहीं दो लाख टन राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों को और 3 लाख टन अन्य संस्थानों और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों को गेहूं को आटे में बदलने के लिए रियायती दर पर दिया जाएगा। इसे 29.50 रुपए प्रति किलो की अधिक दर पर बेचने की अनुमति नहीं होगी। नीलामी साप्ताहिक आधार पर

प्रत्येक बुधवार को होगी। नीलामी एक फरवरी को होगी जो 15 मार्च तक चलेगी। गेहूं की पेशकश 2350 रुपए प्रति क्विंटल के आरक्षित मूल्य और भाड़ा शुल्क के साथ की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक खरीदार अधिकतम 3000 टन और न्यूनतम 10 टन तक की मात्रा के लिए बोली लगा सकता है।

कच्चा तेल कमजोर कई शहरों में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में शनिवार को कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट देखने को मिल रही है जिसके चलते ब्रेंट क्रूड 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 86.66 डॉलर प्रति बैरल पर मिल रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई 1.64 प्रतिशत गिरकर 79.68 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। मध्य प्रदेश में आज पेट्रोल 10 पैसे सस्ता होकर 109.70 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। यहां डीजल भी 10 पैसे सस्ता हुआ है और 94.89 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। पंजाब में भी पेट्रोल की कीमतों में 9 पैसे की गिरावट आई है और 96.87 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है जबकि डीजल 9 पैसे गिरकर 87.22 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। गुजरात में पेट्रोल 0.63 पैसे सस्ता हुआ है और 97.12 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। हालांकि यहां डीजल की कीमतों में 70 पैसे की बढ़ोतरी हुई है और भाव 92.17 रुपए प्रति लीटर है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

चीन की जीडीपी में भारी गिरावट 70 देशों पर मंदी का खतरा

बीजिंग ।

चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) के मुताबिक देश की वार्षिक जीडीपी वृद्धि तीन फीसदी तक गिर गई है। जो 2022 में 5.5 प्रतिशत के आधिकारिक लक्ष्य से बहुत कम है। 1976 के बाद से पिछले साल चीन की विकास दर सबसे कमजोर रही है। अगर चीन की अर्थव्यवस्था इसी तरह से गिरती रही तो आर्थिक मंदी आनी तय है। इस मंदी का असर केवल चीन पर ही नहीं होगा बल्कि दुनिया के 70 से अधिक देश इसकी चपेट में आएंगे। कोविड के कारण पूरे दुनिया की अर्थव्यवस्था में गिरावट देखने को मिली।

चीन में पिछले साल कोरोना महामारी से निपटने के लिए लगाई गईं पाबंदियों रियल स्टेट क्षेत्र में मंदी के कारण चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2022 में घटकर तीन प्रतिशत पर आ गई है। यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में 50 साल में दूसरी सबसे धीमी वृद्धि की रफ्तार है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार 2022 में चीन का सकल घरेलू उत्पाद 17940 अरब डॉलर रहा। चीन की जीडीपी में कमी को देखते हुए कयास लगाए जा रहे हैं कि अन्य देशों पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा. दरअसल चीन का व्यापार 70 से अधिक देशों के साथ है।

चीन एशियाई देशों के साथ-साथ कई यूरोपीय देशों के साथ भी आयात-निर्यात करता है। ऐसे में अगर चीन में मंदी आती है तो ये सभी देश भी इसकी चपेट में आएंगे। चीन पर निर्भर रहने वाले देशों को सबसे अधिक नुकसान होगा। सबसे बुरा हाल इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में होगा। चीन की जीडीपी का असर वहां की नौकरियों पर भी देखने को मिल रहा है। चीन के कई शहरों में लोगों की नौकरी जाने लगी है। कई कंपनियां कर्मचारियों का वेतन रोक रही हैं।

धोखाधड़ी के मामले में उसैन बोल्ट को हुआ 22 करोड़ का नुकसान

किंग्सटन । जमैका के फर्राटा धावक उसैन बोल्ट ने कहा कि वह इस बात से हैरान हैं की एक निजी निवेश कंपनी से उनके एक करोड़ 27 लाख डॉलर (22 करोड़) कैसे गायब हो गए। यह जमैका में एक दशक पहले हुए धोखाधड़ी के मामलों से जुड़ा मामला है। धोखाधड़ी के इन मामलों की जांच की जा रही है। बोल्ट ने कहा उन्होंने अपने बिजनेस मैनेजर को बर्खास्त कर दिया है। उन्होंने कहा वह आपसी सहमति से अलग नहीं हुए हैं। बोल्ट से पूछा गया कि क्या वह इस धोखाधड़ी से टूट चुके हैं तो स्टार एथलीट ने मुस्कराकर जवाब दिया। उन्होंने कहा मैं टूटा नहीं हूं लेकिन निश्चित तौर पर मुझे बड़ा नुकसान हुआ है। यह धनराशि मेरे भविष्य के लिए थी। सभी जानते हैं कि मेरे तीन बच्चे हैं और मैं अपने माता-पिता की देखरेख भी करता हूं और मैं अब भी अच्छा जीवन व्यतीत करना चाहता हूं। बोल्ट के वकील ने कहा कि किंग्स्टन स्थित 'स्टॉक्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड में इस एथलीट का लगभग एक करोड़ 28 लाख डॉलर जमा था जो कि अब घटकर 12000 डॉलर ही रह गया है। उन्होंने कंपनी को धनराशि लौटाने या दीवानी और आपराधिक कार्रवाई का सामना करने के लिए शुक्रवार तक का समय दिया था। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि शुक्रवार की रात को किसी तरह की कार्रवाई की गई या नहीं। इस बारे में जब बोल्ट के वकील से संपर्क किया गया तो उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार कर दिया।

अंडर19 महिला टी20 विश्व कप:

इंग्लैंड के खिलाफभारत की निगाहें खिताब पर

पोचेफस्ट्रूम,

जब जनवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के उद्घाटन के बारे में खबर फैली, तो क्रिकेट जगत के कई लोग अपनी तरह के पहले टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित थे। युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अपने सपनों का पीछा करने के लिए मंच मिलेगा। मौजूदा दौर में जहां महिला क्रिकेट की दृश्यता में तेजी से वृद्धि देखी गई है। टूर्नामेंट ने खेल के भविष्य के सितारों को सुर्खियों में लाने का काम किया है। अब, दो सप्ताह के रोमांचक मैचों के बाद, जिसमें 16 टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया है। यह रविवार को पोचेफस्ट्रूम में जेबी मार्के 'स ओवल में आयोजित होने वाले भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार के खिताब के साथ एक रोमांचक समापन के लिए निर्धारित है। जबकि भारत ने जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया, सुपर सिक्स में आस्ट्रेलिया के खिलाफएक हार को छोड़कर, इंग्लैंड अभी तक एक मैच नहीं हार पाया है और उसने शानदार जीत भी दर्ज की है। उन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया पर अपनी अविश्वसनीय तीन रन की जीत में यह भी दिखाया कि वे दबाव का सामना कर सकते हैं और मैदान पर कठिन परिस्थितियों में अपनी हिम्मत बनाए रख सकते हैं। भारत के लिए रविवार का दिन महिला क्रिकेट के इतिहास में अपनी पहली वैश्विक ट्रॉफी हासिल करने का सुनहरा अवसर लेकर आया है। एक ऐसे देश में जहां भारत ने 18 साल पहले (2005 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल) पहली बार महिला विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी। शेफाली वर्मा की टीम के पास इतिहास बनाने और महिलाओं की और भी बड़ी भागीदारी के लिए क्रिकेट को आगे बढ़ाने का मौका है। टूर्नामेंट के रन-अप में, भारत अंडर19 ए ने विशाखापत्तनम में टूर्नामेंट जीता, जिसमें नवंबर 2022 में भारत अंडर19 बी टीम, वेस्ट इंडीज और श्रीलंका अंडर19 टीमें भी शामिल थीं। वहां से, भारत अंडर19 टीम ने पंजीकरण कराया, दिसंबर की शुरूआत में मुंबई में न्यूजीलैंड डेवलपमेंट टीम पर 5-0 से क्लीन स्वीप किया और मेजबान दक्षिण अफ्रीका पर 4-0 से जीत दर्ज की। भारत के पास पूर्व स्पिनर नूशिन अल खदीर का साथ भी है, जो वर्तमान में उनकी मुख्य कोच हैं। नूशिन, महिलाओं के घरेलू सट में एक बेहद सफल कोच भारतीय टीम का हिस्सा थीं, जो दक्षिण अफ्रीका में 2005 के एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में उपविजेता रही थीं, और 18 साल बाद एक बार फिर से खिताब जीतने के कगार पर है। भारत और इंग्लैंड दोनों के पास क्रमशः उप-कप्तान श्वेता सहरावत और कप्तान ग्रेस स्क्रिवेंस के रूप में मजबूत सलामी बल्लेबाज हैं। श्वेता बल्ले के साथ भारत का मुख्य आधार रही हैं, उन्होंने 115.50 की औसत से 231 रन बनाते हुए अपने स्ट्रोकप्ले से सभी को प्रभावित किया, और प्रतियोगिता में केवल दो बार आउट हुई हैं।

मिताली राज को महिला प्रीमियर लीग में गुजरात जाइंट्स के लिए बनाया गया मेंटर और सलाहकार

नई दिल्ली,

मार्च-अप्रैल 2023 में होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के शुरूआती सीजन से पहले भारत की महिला टीम की पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी मिताली राज को शनिवार को गुजरात जाइंट्स के मेंटर और सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया।

अडानी स्पोर्ट्सलाइन, अडानी समूह की खेल विकास शाखा, जिसने 1289 करोड़ रुपये की उच्चतम बोली के साथ डब्ल्यूपीएल में अहमदाबाद टीम को संचालित करने के अधिकार जीते थे। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा कि जायंट्स की मेंटर और सलाहकार होने के अलावा, मिताली महिला क्रिकेट को भी बढ़ावा देगीं और गुजरात में जमीनी स्तर पर खेल को विकसित करने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा, महिला प्रीमियर लीग का उद्घाटन सत्र महिला क्रिकेट के लिए एक शानदार कदम है और अडानी समूह की भागीदारी खेल के लिए भी एक बड़ा बढ़ावा है। महिला क्रिकेट लगातार बढ़ रहा है, और इस तरह की प्रेरणा निस्संदेह युवा महिलाओं को प्रोत्साहित करेगी कि क्रिकेट को पेशेवर रूप से लेने पर विचार करें। उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि कॉरपोरेट्स की उच्च प्रभाव वाली भागीदारी भारत को और अधिक गौरव दिलाने की प्रक्रिया को तेज करने में मदद करेगी। प्रभाव का यह स्तर खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और महिला एथलीटों के लिए अवसरों को बढ़ाने में मदद कर सकता है। मिताली ने भारत के लिए 89 टी20 मैच खेले हैं और 37.52 के औसत से 2,364 रन बनाए हैं, जिसमें 17 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने प्रारूप से अपनी संन्यास की घोषणा करने से पहले घर में इंग्लैंड के खिलाफ 2019 में आखिरी बार भारत के लिए एक टी20 मैच खेला था।

हॉकी विश्व कप: मलेशिया ने जापान को प्लेआफ मैचों में हराया, फ्रांस ने चिली को दी मात

राउरकेला। मलेशिया ने शनिवार को यहां बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप में 13वें से 16वें स्थान के प्लेआफ मैचों में दो एशियाई टीमों के बीच मुकाबले में जापान को 3-2 से हराया। वहीं, फ्रांस ने चिली को 4-2 से मात दी। मलेशिया ने दिन के मैच में शानदार प्रदर्शन किया, क्योंकि उसने एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता जापान को करीबी मुकाबले में शेलो सिल्वरियस के दो गोलों का फायदा उठाते हुए हराया। जापान के काइतो तनाका ने 7वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर सिल्वरियस के शुरूआती गोल को बेअसर करने के बाद हाफ टाइम तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। मलेशिया ने तीसरे क्वार्टर में दो बार गोल किया, जबकि जापान केवल एक का ही प्रबंधन कर सका, इस प्रकार मैच जीतने और 14वें स्थान पर रहने के अपने प्रयास में पीछे रह गए। सिल्वरियस ने 31वें मिनट में फिर से मलेशिया को बढ़त दिला दी, लेकिन सेरेन तनाका द्वारा मैदानी गोल करने पर जापान ने सेकंड के भीतर स्कोर को फिर से बराबर कर 2-2 कर दिया। लेकिन दो मिनट बाद सुहैमी शाहमी ने एक और गोल कर मलेशिया को 3-2 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर के अंत में जापान ने काफी दबाव बनाया लेकिन मलेशियाई डिफेंस ने उसे विफल कर दिया। इस दौरान उन्हें पांच पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन एक को भी गोल में नहीं बदल सके। मलेशिया को भी दो कार्ड मिले, 52वें मिनट में रोजली रमजान के लिए ग्रीन और 58वें मिनट में नजमी जजियान के लिए एक येलो कार्ड लेकिन जापान मैन एडवांटेज का फायदा नहीं उठा सका।

सबालेंका ने रिबाकिना को हराकर जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन

मेलबर्न,

बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कजाखस्तान की एलेना रिबाकिना को शनिवार को 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर आस्ट्रेलियन ओपन का महिला एकल खिताब पहली बार अपने नाम किया। सबालेंका ने तीन मैच अंक गंवाने के बाद अपना चौथा मैच अंक भुनाया, जब रिबाकिना फोरहैंड बाहर मार बैठीं। उन्होंने 2 घंटे और 28 मिनट के बाद रिबाकिना को रोमांचक मुकाबले में मात दी। पांचवीं सीड सबालेंका खिताब जीतते ही पीठ के बल कोर्ट पर लेट गयीं और काफी भावुक हो गयीं।सबालेंका ने मैच में ज्यादा एस (17), विनर्स (51) और ओवरआल अंक (109) जीते।रिबाकिना के निर्णायक सेट में 3-3 के स्कोर पर सर्विस करते हुए सबालेंका ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया। इस गेम में उनके फोरहैंड की स्पीड 87 मील प्रति घंटे थी जबकि औसतन यह 77 मील प्रति घंटे थी।सबालेंका ने अगला गेम मैच का अपना 16वां एस लगाते हुए जीत लिया और 5-3 की बढ़त बना ली। मौजूदा विम्बलडन चैंपियन रिबाकिना ने अगला गेम जीतकर स्कोर 5-4 किया। सबालेंका ने अगला सर्विस गेम जीतकर मैच निपटा दिया। उन्होंने अपने चौथे मैच अंक पर जीत अपने नाम की।24 वर्षीय सबालेंका ने बिली जीन किंग से चैंपियनशिप ट्रॉफी प्राप्त की, जिसे उन्होंने महिला टेनिस के लिए किए गए हर काम के लिए धन्यवाद दिया।सबालेंका ने कहा, मैं अभी भी काफी नर्वस लग रही हूं और बहुत घबराई हुई थीं। मेरी टीम ने मेरा साथ दिया है। हम पिछले साल बहुत उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं। हमने बहुत मेहनत की है। आप लोग इस ट्रॉफी के हकदार हैं। यह मुझसे ज्यादा आपकी है। इसके साथ, सबालेंका ने अब इस नए साल में अपने सभी 11 मैच जीत लिए हैं और नंबर 22 वरीयता प्राप्त रिबाकिना के खिलाफ शुरूआती सेट ही गंवा दिया था। उन्होंने अब रिबाकिना के खिलाफ करियर के सभी चार मैच जीते हैं और सभी तीन सेटों में जीते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईसीसी अंडर19 महिला टी20 विश्व कप फाइनल के लिए नियुक्त की गईं महिला मैच अधिकारी

पोचेफस्ट्रूम । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शनिवार को घोषणा की है कि रविवार को जेबी मार्के 'स ओवल में होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के फाइनल के लिए महिला मैच अधिकारियों का पैनल नियुक्त कर दिया गया है। वैनेसा डी सिल्वा मैच रेफरी के रूप में फाइनल की देखरेख करेंगी जबकि कैंडेस ला बोर्डे और सारा दंबनेवाना आन-फील्ड अंपायर होंगी। डेडुनू डी सिल्वा टीवी अंपायर होंगी। जबकि लिसा मैककेबे चौथी अंपायर के रूप में जिम्मेदारी निभाएंगी। दो सप्ताह के मैचों के बाद जिसमें 16 टीमें शामिल थीं भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार के फाइनल के साथ महिला अंडर19 टी20 विश्व कप का पहला सीजन 13¬45 स्थानीय समय (5¬15 बजे) से पोचेफस्ट्रूम में शुरू होगा। पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के शानदार प्रदर्शन और शुक्रवार को आठ विकेट से जीत ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। प्लेयर आफ द मैच लेग स्पिनर पार्शवी ने अपने चार ओवरों में 3/20 का शानदार स्पैल फेंका और भारत ने न्यूजीलैंड को 20 ओवरों में मात्र 107 रनों पर रोक दिया। जवाब में सलामी बल्लेबाज श्वेता सहरावत ने प्रतियोगिता में अपना तीसरा अर्धशतक लगाकर अपनी रन बनाने की क्षमता का परिचय दिया और 14.2 ओवर में लक्ष्य का पीछा कर 45 गेंदों में 61 रन बनाकर नाबाद रहीं। दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ एक अविश्वसनीय रोमांचक जीत हासिल की केवल तीन रनों से जीतकर दूसरे सेमीफाइनल से खिताबी मुकाबले में आगे बढ़े।

भारतीय टीम के विश्वकप में प्रदर्शन तय करेगा रोहित शर्मा का भविष्य : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली । भारत के विकेटकीपिंग बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने टीम इंडिया के कप्तान के रूप में रोहित शर्मा के भविष्य पर अपनी राय देकर कहा है कि अगर भारत 50 ओवर के विश्व कप में कुछ खास नहीं करता हैतब हम कप्तानी बंटते हुए देख सकते हैं। कार्तिक ने कहा कि टीम इंडिया के लिए कप्तानी बांटने के बारे में बात करने का यह सही समय नहीं है क्योंकि भारत विश्व कप से पहले बहुत अधिक टी20आई नहीं खेल रहा है। कार्तिक ने कहा अगर मामला खुद पेश होता है तब क्यों नहीं? लेकिन अभी मेरे लिए दो वजहों से कहना ठीक नहीं है। एक भारत इसके बाद 2023 वर्ल्ड कप तक सिर्फ तीन टी20 खेल रहा है आईपीएल के बाद उसका सामना वेस्टइंडीज से है। एक बार टूर्नामेंट हो जाने के बाद मुझे लगता है कि हमें पता चलेगा कि चीजें कहां खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अगर अक्टूबर में होने वाले वनडे विश्व कप में भारत कुछ खास नहीं करता है तब फिर कप्तानी बांटने का मामला बन सकता है। उन्होंने कहा अगर रोहित की टीम वहां कुछ खास नहीं करती है तब हम बहुत अच्छी तरह से विभाजित कप्तानी का मौका देख सकते हैं मुझे लगता है कि अवसर खुद को उस समय पेश करेगा।

मलेशिया ने जापान को 3-2 से दी मात

राउरकेला।

मलेशिया ने शेलो सिल्वेरियस के दो गोलों की बदौलत एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के क्लासिफिकेशन मुकाबले में जापान को 3-2 से मात दी। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर 13वें से 16वें स्थान के लिए हुए मुकाबले में शेलो सिल्वेरियस (सातवां 31वां मिनट) ने मलेशिया के लिए दो गोल किए जबकि सुहैमी इरफान शाहमी (33वां मिनट) ने एक गोल किया। जापान के गोल काइतो तनाका (23वां) और सेरेन तनाका (31वां मिनट) ने दागे।

मलेशिया ने मुकाबले की मजबूत शुरुआत कर सातवें मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल जमा दिया जबकि जापानी रक्षण शुरुआती क्वार्टर में कमजोर दिखाई दिया। दूसरे क्वार्टर में हालांकि मलेशिया के मरहान जलील को येलो कार्ड देखकर मैदान से बाहर जाना पड़ा। जापान ने विपक्षी टीम का एक खिलाड़ी कम पाकर उस पर दबाव बनाया। जापान 23वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने में असफल रहा लेकिन इसी मिनट काइतो ने फील्ड गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। जापान ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत सेरेन के गोल से की लेकिन इसके बाद मलेशिया उस पर पूरी तरह हावी रहा।

सिल्वेरियस ने एक बार फिर अपनी टीम के लिये आगे आते हुए फील्ड गोल किया जबकि सुहैमी ने दो मिनट बाद गोल करके मलेशिया को बढ़त की स्थिति में पहुंचा दिया। जापान ने तीसरा क्वार्टर समाप्त होने से पहले तीन पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किये लेकिन वह उनका लाभ नहीं ले सका। मलेशिया ने इसके बाद गेंद को अपने कब्जे में रखते हुए जापान को मैच में वापस आने का मौका नहीं दिया और एक गोल के अंतर से जीत हासिल की। मलेशिया ने इस जीत के साथ विश्व कप में 13वां स्थान हासिल करने के लिये अपनी दावेदारी पेश कर दी है। इस वर्ग का दूसरा मुकाबला चिली और फ्रांस के बीच दोपहर दो बजे से खेला जाएगा।

ईशान किशन और राहुल त्रिपाठी नहीं भुना पाएं मौका

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाने के लिए लंबी लाइन लगी हुई है और कुछ खिलाड़ी हैं कि हाथ आए मौके का फायदा नहीं उठा रहे! टीम इंडिया में काफी ज्यादा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और बाहर कुछ अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं! टी-20 फॉर्मेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे धुरंधर को बाहर बैठाकर चयनकर्ताओं ने नए खिलाड़ियों पर दांव लगाया है लेकिन वो अपने प्रदर्शन से लगातार सबको निराश कर रहे हैं। तीन खिलाड़ियों को देखकर लग रहा है कि उनको अब चयनकर्ता सीरीज खत्म होने के बाद बाहर का रास्ता दिखाएंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टी-20 सीरीज में कई अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर बैठाकर नए खिलाड़ियों को चयनकर्ताओं ने मौका दिया है। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली तक को टीम में जगह नहीं दी गई है जिससे प्रतिभाशाली अपना हुनर दिखाकर टीम में जगह बनाएं। वनडे में धमाकेदार बल्लेबाजी से कोहराम मचाने वाले ओपनर शुभमन गिल ने टी-20 क्रिकेट में लगातार मौके मिलने के बाद भी इसका अब तक फायदा नहीं उठाया है। 4 मैच में से अब तक उनके बल्ले से सिर्फ एक बार दहाई अंकों की पारी देखने को मिली है। 3 मैचों में वो किसी भी पारी में 10 रन तक के स्कोर तक भी नहीं पहुंचे हैं। ईशान किशन का नाम लिस्ट में अव्वल नंबर पर आता है क्योंकि टी-20 फॉर्मेट का उनको धुरंधर माना जाता है। इंडियन प्रीमियर लीग और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ी-बड़ी पारियां खेलने वाला ये ओपनर यहां रन बनाने को जूझ रहा है। पिछली 12 पारियों से वो अर्धशतक नहीं बना पाए हैं। इसमें 5 पारियों में तो उनका स्कोर 10 रन के करीब भी नहीं पहुंचा। टीम इंडिया में बेहद हल्ला मचाते हुए दाखिल हुए राहुल त्रिपाठी हाथ आए मौके को बर्बाद कर रहे हैं। टी-20 टीम में विराट कोहली की जगह पर नंबर-3 का बल्लेबाजी क्रम दिए जाने के बाद भी वो इसे यूं ही जाने दे रहे हैं। 3 मैच में से दो में वो महज 5 रन बना पाए हैं। एक मैच में 35 रन की पारी खेली थी। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ इस सीरीज में अभी 2 मैच और खेलना है। इन तीनों को ही आगे बचे मुकाबलों में मौका मिलने की पूरी उम्मीद है। ऐसे में अगर अपना भविष्य बेहतर करना है तो इन तीनों ही बैटर को अच्छी पारी खेलनी होगी वर्ना एक बार टीम से निकाले गए तो वापसी मुश्किल होगी।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रतियोगिता के लिए टॉप्स डेवलपमेंट एथलीट तैयार

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में 30 जनवरी से शुरू होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मल्टीपल टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) डेवलपमेंट एथलीट मैदान में उतरेंगे।यह खेलों के महत्व को बढ़ाता है क्योंकि टॉप्स एथलीट, (जो पहले से ही अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल कर चुके हैं) जमीनी स्तर के एथलीटों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे और एक कठिन प्रतियोगिता प्रदान करेंगे।मध्य प्रदेश के 8 शहरों - भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, खरगोन (महेश्वर), बालाघाट और नई दिल्ली में होने वाली प्रतियोगिता के लिए कुल 6000 एथलीट तैयार हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में कुल 27 विधाएं होंगी, खेलों के इतिहास में पहली बार वाटर स्पोर्ट्स को शामिल किया जा रहा है। कैनो स्लैलम, कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग जैसे पानी के खेल भी सामान्य खेलों और स्वदेशी खेलों के साथ होंगे। फेंसिंग भी की जा रही है।

धोनी से सीखे गुण अपनाकर मिचेल सैंटनर ने टीम इंडिया को दी पटखनी

नई दिल्ली ।

फॉर्मेट बदलते ही भारत दौरे पर आई न्यूजीलैंड टीम का खेल भी बदल गया। रांची टी20 में कीवी टीम खेल के हर विभाग में टीम इंडिया पर बीस साबित हुई। नतीजा 3 टी20 की सीरीज का पहला मुकाबला कीवी टीम की झोली में आया। मैच से एक दिन पहले ही न्यूजीलैंड के एक खिलाड़ी ने जीत की रणनीति तैयार कर ली थी। खिलाड़ी ने ऐलान किया था कि उसने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से जो सीखा है वहां इस मैच में आजमाएगा। मैच के दौरान ऐसा ही हुआ और इस दौरे पर न्यूजीलैंड को पहली जीत मिली। धोनी का यह शागिर्द कोई और नहीं बल्कि न्यूजीलैंड के टी20 कप्तान मिचेल सैंटनर हैं। उन्होंने रांची में हार्दिक पंड्या की टीम इंडिया के अरमानों पर पानी फेर दिया। मिचेल ने कहा था कि मैंने चेन्नई सुपर किंग्स में रहते धोनी को करीब से देखा और समझा है। वहां कैसे कप्तानी करते हैं। मैदान पर दबाव में भी शांत रहते हैं। मैं भी कुछ-कुछ वैसा ही हूं और उनसे इन सालों में जो सीखा है उस भारत के लिए टी20 सीरीज में मैदान पर अमल में लाने की कोशिश करूंगा। बता दें कि सैंटनर को हाल ही में न्यूजीलैंड का टी20 कप्तान बनाया गया है। उनकी कप्तानी में न्यूजीलैंड ने अबतक आयरलैंड स्कॉटलैंड जैसी टीमों को ही हराया था। अब भारत को शिकस्त दी है। मिचेल ने रांची में न सिर्फ बतौर खिलाड़ी कमाल का प्रदर्शन किया बल्कि कप्तान के तौर पर भी सटीक फैसले लिए। फिर चाहें गेंदबाजी में परिवर्तन हों या फील्ड सेटिंग। उन्होंने बहुत जल्दी ही रांची के विकेट का मिजाज भांप लिया और जब भारत 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरा। तब नई गेंद ही स्पिन गेंदबाज को थमा दी। इसका फायदा यह हुआ कि न्यूजीलैंड ने पावरप्ले में ही भारत के 3 विकेट गिरा दिए थे। इसमें से एक विकेट खुद सैंटनर तब दूसरा ऑफ स्पिनर माइकल ब्रेसवेल ने लिया। पूरे मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनर भारतीय बल्लेबाजों पर भारी पड़ते दिखे। जिस बैटर को टी20 में खामोश रखने का तोड़ किसी टीम के पास नहीं। सैंटनर ने उसी का रास्ता निकाला और सूर्यकुमार यादव के खिलाफ एक ओवर मेंडन फेंका। जबकि सूर्या ने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ राजकोट टी20 में शतक ठोका था।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज में अर्जुन और गुकेश में बराबरी पर छूटा मुकाबला

वाई कान जी । शतरंज का विम्बलडन कहे जाने वाले टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज के 85वे संस्करण के ग्यारहवें राउंड में भारत के डी गुकेश और अर्जुन एरिगासी के बीच मुक़ाबला खेला गया। अर्जुन और गुकेश पिछले साल भारत के सबसे कम उम्र में 2700 रेटिंग पार कर सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बने थे जिन्होने विश्व के टॉप 20 में जगह बनाई थी। 2700 रेटिंग पार करने के बाद दोनों के बीच यह पहला क्लासिकल मुक़ाबला था जो कि बराबरी पर छूटा। सफ़ेद मोहरों से खेल रहे अर्जुन नें राय लोपेज ओपनिंग खेली और गुकेश ने बर्लिन वेरिएशन में संतुलित खेल खेला दोनों ने एंडगेम में खेल को रोचक बनाने की कोशिश की पर 45 चालों में खेल ड्रॉ रहा। 11वें राउंड में खेले गए सात मुकाबलों में सिर्फ 1 का परिणाम आया जबकि 6 मुक़ाबले बराबरी पर समाप्त हुए। ईरान के परहम मघसूदलू ने भारत के आर प्रज्ञानन्दा को मात देकर जीत दर्ज की जबकि नीदरलैंड के अनीश गिरि ने उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव नोदिरबेक से विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन ने यूएसए के वेसली सो से यूएसए के लेवोन अरोनियन नें हमवतन फबियानों करूआना से जर्मनी के विन्सेंट केमर ने रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट से चीन के डिंग लीरेन ने नीदरलैंड के जॉर्डन फॉरेस्ट से बाजी ड्रॉ खेली। 13 राउंड के इस टूर्नामेंट में 11 राउंड के बाद फिलहाल अब्दुसत्तारोव 7.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में 156 सीटें जीतने वाले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल को सुखराम ग्रुप ने सम्मानित किया

सूरत भूमि, सूरत। राज्य के इतिहास में पहली बार गुजरात भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव में पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए 156 सीटों पर ऐतिहासिक जीत हासिल की है. नानूभाई सांवलिया के सुखराम ग्रुप ने राज्य भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल, नवनियुक्त मंत्रियों और विधायकों के लिए एक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया।

कोसमड़ी गांव कैनाल रोड स्थित सुखराम वाटिका फार्म में शनिवार की शाम गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम के आयोजक नानूभाई सांवलिया के मुताबिक, गुजरात के इतिहास में पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने 156 सीटें जीतकर पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. यह ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले पेज कमेटी के नेता गुजरात प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी से सांसद सीआर पाटिल के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया है.

नवनियुक्त मंत्रियों और संसद के सदस्यों के लिए एक विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया था। जिसमें कनुभाई देसाई (कैबिनेट मंत्री वित्त-ऊर्जा), राघवजीभाई पटेल (कैबिनेट मंत्री कृषि-पशुपालन)। हर्षभाई सांघवी (गृह राज्य मंत्री), फुल्लाभाई पंशेरिया (शिक्षा-संसदीय मामलों के राज्य मंत्री), मुकेशभाई पटेल (वन-पर्यावरण राज्य मंत्री), कुंवरजीभाई हाडापति (जनजातीय विकास-श्रम राज्य मंत्री), कौशिकभाई वेकारिया (गुजरात विधान सभा के सहयोगी), कुमारभाई कानानी (विधायक वराछा), विनुभाई मोरडीया (विधायक कतारगाम), प्रवीणभाई घोघरी (विधायक करंज) कटिभाई बलार (विधायक सूरत उत्तर) को भी सम्मानित किया गया।

कोसमड़ी गांव के कनाल रोड स्थित सुखवाटिका फार्म में नवनियुक्त मंत्रियों व विधायकों का अभिनंदन किया गया

माननीय महानुभव दर्शनाबेन जरदोश (रेल और वस्त्र राज्य मंत्री भारत सरकार), हेमलीबेन बोघावाला (मेयर), गणपतभाई वसावा (विधायक मंगरोल), जीतूभाई वघानी (विधायक भावनगर) पूर्णेशभाई मोदी (विधायक सूरत पश्चिम), ईश्वरभाई परमार (विधायक) बारडोली), संगीताबेन पाटिल (विधायक लिंबायत), संदीपभाई देसाई (विधायक चोर्यासी), महेशभाई कसवाला (विधायक सावरकुंडला), मनुभाई पटेल (विधायक उधना), अरविंदभाई राणा (विधायक सूरत पूर्व), जनकभाई पोंडिया (विधायक लाठी), जे.वी. काकडिया (विधायक) धारी), हीराभाई सोलंकी (विधायक राजुला) उपस्थित थे।

जनकभाई बगदाना (क्षेत्रीय भाजपा उपाध्यक्ष), भरतभाई बोघरा (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष), महेंद्रभाई पटेल (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष), रघुभाई हूंबल (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष), प्रशांतभाई कोराट (क्षेत्रीय युवामोर्चा अध्यक्ष), निरंजनभाई झांझमेरा (सूरत शहर भाजपा) अध्यक्ष), दिनेशभाई जोधानी (उपमहापौर) सूरत), परेशभाई पटेल (स्थायी समिति अध्यक्ष सूरत), अमित सिंह राजपूत (नेता सत्ता पक्ष सूरत महानगर पालिका) राजनीतिक अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे.

इस प्रतिष्ठित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात में ऐतिहासिक 156 सीटों पर जीत हासिल की है, जिसके लिए देश के प्रधानमंत्री और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री, नरेंद्र मोदी और देश के गृह मंत्री अमित भाई शाह सम्मान के पहले पात्र हैं। यह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं, पेज अध्यक्षों की मेहनत का भी नतीजा है।

भारतीय जनता पार्टी अपने वादों को पूरा करती है। भाजपा के शासन में जो काम जमीनी स्तर पर हो रहे हैं, उनका भी उद्घाटन हो रहा है। साथ ही कोरोना काल में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा की गई सेवा से मतदाताओं ने भी भारतीय जनता पार्टी के प्रति अपनी आस्था दिखाई है। जैसा कि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं ने विधानसभा चुनाव में भाजपा को जीत दिलाई है, भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने अभी से चर्चा की है और आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में और भी शानदार जीत के लिए काम करना शुरू कर दिया है।

पहले इंटरस्कूल 7-ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट-2023 का आयोजन हुआ

सूरत भूमि, सूरत। पहले इंटरस्कूल 7-ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट-2023 का आयोजन 23, 24 जनवरी को द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, उगात कैनाल रोड, जहांगीराबाद, सूरत में किया गया। जिसमें कुल 32 टीमों ने भाग लिया; इन 32 टीमों के हिस्से के रूप में, -12, -14 लड़के और लड़कियों के दस्ते ने भाग लिया,

अंडर-12 लड़कों की टीम में रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल (सीबीएसई) विजेता रहा, जबकि अंडर-14 लड़कियों की टीम में रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल (जीएसईबी, जी.एम.) विजेता रहा। पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल (दांडी रोड, जहांगीराबाद, सूरत) भी अंडर-14 लड़कों की टीम में विजेता रहा।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में आयोजित पहला इंटरस्कूल 7-ए साइड फुटबॉल टूर्नामेंट-2023 बड़ी सफलता के साथ आयोजित किया गया, इसका सारा श्रेय स्कूल के पीई शिक्षकों, कैंपस डायरेक्टर और स्कूल ट्रस्टियों को जाता है। प्रत्येक विजेता टीम को ट्रॉफी और मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया। साथ ही विद्यालय परिवार की ओर से सभी विजेता टीमों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं कि विद्यालय व देश इसी तरह चमकता रहे।

एलियंस टैटू ने सूरत में अपना पहला स्टूडियो खोला

सूरत भूमि, सूरत।

एलियंस टैटू भारत के सभी प्रमुख शहरों में 16 स्टूडियो के साथ एक अग्रणी टैटू व्यवसाय है और अपनी काफी तेज और प्रथम श्रेणी की सेवाओं के लिए जाना जाता है, इसने अपनी पहली सूरत शाखा का उद्घाटन किया है। टैटू स्टूडियो 1100 फीट आकार का है और एक समय में 8-10 टैटू संभाल सकता है। सूरत स्थान शहर में कंपनी के पहले प्रवेश को चिह्नित करता है, जो स्थानीय आबादी को टैटू कलात्मकता का एक नया स्तर प्रदान करता है।

सूरत के टैटू स्टूडियो खुलने से कंपनी शहर को विश्व स्तरीय बॉडी आर्ट और सेवाएं मुहैया कराने में सक्षम होगी। कला और स्याही के माध्यम से जीवन को ऊपर उठाने के मिशन के साथ, ब्रांड अपने ग्राहकों को सबसे बड़ा टैटू अनुभव देने के लिए समर्पित है और सूरत में नए ग्राहकों का स्वागत करने के लिए तत्पर है।

सनी भानुशाली, फाउंडर, एलियंस टैटू 卐हम अपने ग्राहकों को बेहतरीन और प्रीमियम गुणवत्ता वाले टैटू और पियर्सिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। हम बारीकियां पर ध्यान देने में आनंद लेते हैं और हमारी टीम की कलात्मक क्षमता यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक कलाकृति कला का एक सार्थक, सुंदर काम हो। हम सूरत शहर के साथ टैटू बनाने के अपने जुनून को साझा करने में सक्षम होने के लिए खुश हैं, और हम आने वाले कई सालों तक अपने ग्राहकों के लिए सुंदर, अर्थपूर्ण टैटू बनाने की उम्मीद करते हैं।

प्रसिद्ध सेलिब्रिटी टैटू कलाकार सनी भानुशाली द्वारा 2011 में स्थापित एलियंस टैटू अपनी स्थापना के बाद से तेजी से बढ़ा है। कंपनी ने खुद को मुंबई, पुणे, दिल्ली, अहमदाबाद और बैंगलोर जैसे प्रमुख शहरों में सबसे लोकप्रिय ट-टू स्टूडियो के रूप में स्थापित किया है, जो कि मशहूर हस्तियों और एथलीटों को शामिल करने वाले एक व्यापक ग्राहक आधार को पूरा करता है। स्टूडियो में हार्दिक पांड्या, क्रुणाल पांड्या, काजोल, इशान किशन, रोशनी चोपड़ा और कई अन्य हस्तियों समेत उल्लेखनीय प्रतिभा शामिल हैं।

पुरस्कार विजेता टैटू कलाकार ग्राहकों को सही, रचनात्मक कस्टम टैटू प्राप्त करने में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो विशेष रूप से उनके विचारों, मूल्यों और विश्वासों के आधार पर बनाया गया है। यह भारत में सबसे महान टैटू स्टूडियो में से एक के रूप में जाना जाता है, 60 से अधिक डिज़ाइन श्रेणियां और 5000 से अधिक टैटू डिज़ाइन प्रदान करता है, जो सभी 70 से अधिक टैटू कलाकारों के कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। रीयलिस्टिक टैटू, मिनिमालिस्टिक और चार्मिंग टैटू, वॉटरकलर टैटू, पोर्ट्रेट टैटू, पेट टैटू, धार्मिक टैटू, लोर्ड शिवा टैटू, कवर-अप टैटू, कपल टैटू, जीयोमेट्रिक टैटू, ट्रैवेलर्स टैटू और पियर्सिंग भी स्टूडियो में उपलब्ध हैं।

एसएलपीएल का हुआ भव्य आयोजन

सूरत भूमि, सूरत । वेसू स्थित सूर्या लाइफ़स्टाइल बिल्डिंग में सूर्या लाइफस्टाइल प्रीमियम लीग (एसएलपीएल) का आयोजन किया गया । लीग में महिला टीम, पुरुष टीम, किड्स टीम बनाई गई । रूबी टिबडा ने बताया की लीग में महिला ग्रुप में सूर्या वॉरियर्स, पुरुष ग्रुप में सूर्यवंशी टीम एवं किड्स ग्रुप में ट्रॉफी फ़ाइटर्स की टीम विजयी हुई । मैन ऑफ़ टूर्नामेंट सौरभ टीबडा बने । विजयी टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार दिया गया ।

सूरत भूमि, बारडोली। बारडोली में उमराख विध्याभारती केम्पस में 26/1/2023 को उत्साह से 74 वा गणतंत्र मनाया गया, गणतंत्र समारोह में मेहमान के तौर पर केम्पस के ट्रस्टी,प्रमुख और जय अंबे ग्रुप ऑफ स्कूल के सभी माध्यम के आचार्य शिक्षक गण और स्कूल एवं कॉलेज के सभी कक्षा के सभी छात्र और छात्राए और आई. एफ. आई. के ट्रेनिंग ऑफिसर चीफ टूमीर सिंह डी सोलंकी और इंस्ट्रक्टर ध्येय ढीम्मर उपस्थित रहे थे, कार्यक्रम मे केडेट को सर्टीफिकेट वितरित किये गए और मेहमान श्री और ट्रष्टी श्री के द्वारा प्लाटून कमांडर मैत्री पटेल को विशेष पुरस्कार से नवाज़ा गया और सभी कक्षा के अभ्यास करते हुवे छात्र और छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनाया था ।

ITI म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया ITI

मुंबई। आईटीआई म्यूचुअल फंड (ITI Mutual Fund) ने अप्रैल 2019 में अपना परिचालन शुरू किया था और तब से अब तक निवेशकों के लिए बाजार में 16 मुख्यधारा के म्यूचुअल फंड उत्पाद लॉन्च किए हैं। यह एएमसी यानी एसेट मैनेजमेंट कंपनी एक बड़े रूढ़िवादी कैश-रिच व्यापार समूह द्वारा समर्थित है। इतने कम समय में, समूह ने यह सुनिश्चित किया है कि निवेशकों के लिए एक आसान दीर्घकालिक निवेश अनुभव बनाने के लिए एएमसी के भीतर प्रशासन, लोग, प्रक्रियाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचा अच्छी तरह से स्थापित हों।

फंड हाउस 31 दिसंबर 2022 के अंत तक 3557 करोड़ रुपये की संपत्ति का प्रबंधन कर रहा है। कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम (AUM) में से, इक्विटी एयूएम 2674.94 करोड़ रुपये है, जबकि हाइब्रिड और डेट योजनाओं का कुल एयूएम.553.45 करोड़ और 329.34 करोड़ रुपये है। एयूएम का भौगोलिक विस्तार टॉप 5 शहरों में 40.53 फीसदी है। उसके बाद के 10 शहरों में 19.77 फीसदी की हिस्सेदारी, अगले 20 शहरों में 12.27 फीसदी की हिस्सेदारी और अगले 75 शहरों में 10.50 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ डाइवर्सिफाइड है। इसके अलावा अन्य शहरों में एयूएम की 16.92 फीसदी हिस्सेदारी है।

आईटीआई म्यूचुअल फंड ने एक एनएफओ (NFO)- आईटीआई फ्लेक्सी कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एनएफओ आज 27 जनवरी को खुल रहा है और 10 फरवरी, 2023 को सब्सक्रिप्शन के लिए बंद हो जाएगा। न्यूनतम आवेदन राशि 5000 रुपये और उसके बाद 1 रुपये के गुणक में है।

सूरत भूमि, वलवाडा वापी । वापी में स्थित श्री सार्वजनिक हाई स्कूल में 26/1/2023 को उत्साह से 74 वा गणतंत्र मनाया गया, गणतंत्र समारोह में मेहमान के तौर पर स्कूल के ट्रस्टी प्रमुख श्री नीतिनभाई मेहता और स्कूल के सभी माध्यम के आचार्य सिक्सकगण और स्कूल के सभी कक्षा के सभी छात्र और छात्राए और आई. एफ. आई. के ट्रेनिंग ऑफिसर चीफ इंस्ट्रक्टर राहुल अहिरे उपस्थित रहे थे, जिसमें सभी कक्षा के अभ्यास करते हुवे छात्र और छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर वातावरण को गौरवसाली और यशस्वी बनाया था ।

सूरत भूमि, सूरत। सुरत में उधना स्थित जे टी डी वशी श्री सरस्वती स्कूल में 26 जनवरी को उत्साह से 74 वा गणतंत्र मनाया गया, गणतंत्र समारोह मे मेहमान के तौर पर स्कूल के ट्रस्टप्रमुख श्री चंद्रप्रकाशजी सींघवी और,स्कूल के गुजराती माध्यम के सभी आचार्य शिक्षकगण और स्कूल के सभी कक्षा के सभी छात्र और छात्राए और आई. एफ. आई के अंडर ट्रेनींग ऑफिसर उस्ताद गौरव पाटील उपस्थित रहे थे, जिसमें सभी कक्षा के अभ्यास करते हुए छात्र और छात्राओं ने कार्यक्रम मे भाग लेकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनाया था ।

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत अलथाण (भटार) में स्थित श्री सरस्वती विद्यालय में 26 जनवरी को उत्साह से 74 वा गणतंत्र दिवस मनाया गया।यह राष्ट्रीय पर्व समारोह में अतिथि के तौर पर अध्यक्ष श्री पुनीतजी वीज,ट्रस्टी विलेन्द्रजी जग्गा व्यव-स्थापक पवनभाई गुप्ता ,प्रधानाचार्य सुनिता भाटीया,विद्यालय के सभी शिक्षकगण,विद्यार्थीगण , आई,एफ,आई के ट्रेनिंग ऑफिसर चीफ ऑफ इंन्ट्रकटर भावना वी चौधरी उपस्थित रहे थे। जिसमें सभी कक्षा में अभ्यास करते हुए सभी छात्र- छात्राओने कार्यक्रम में भाग लेकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनाया था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)